बिहान

और

सांझ की प्रार्थना ॥

और

प्रभु भोज और बपतिस्मा की बिधि ॥

लुदेहाने के मिश्न प्रेस में,
पादरी वेरी साहिब के यत्न से छापी गई ॥

१८७४ ॥

कई एक पर्वों की तारीख दस बरस के लिये ॥

सन यीशी ॥	लेंट का पहिला दिन ॥	जी उठने का पर्व ॥	स्वर्गारोहण ॥	पविचात्मा के उतरने का दिन ॥	प्रभु के आगमन का इतवार ॥
१८७४	फेब्रुवरी १८ ...	अप्रील ५ ...	मई १४ ...	मई २४	नोवेंबर २९.
१८७५	,, १० ...	मार्च २८ ...	,, ६ ...	,, १६	,, २८.
१८७६	मार्च १ ...	अप्रील १६ ...	,, २५ ...	जून ४	दिसेंबर ३.
१८७७	फेब्रुवरी १४ ...	,, १ ...	,, १० ...	मई २०	,, २.
१८७८	मार्च ६ ...	,, २१ ...	,, ३० ...	जून ९	,, १.
१८७९	फेब्रुवरी २६ ...	,, १३ ...	,, २२ ...	,, १	नोवेंबर ३०.
१८८०	,, ११ ...	मार्च २८ ...	,, ६ ...	मई १६	,, २८.
१८८१	मार्च २ ...	अप्रील १७ ...	,, २६ ...	जून ५	,, २७.
१८८२	फेब्रुवरी २२ ...	,, ९ ...	,, १८ ...	मई २८	दिसेंबर ३.
१८८३	,, ७ ...	मार्च २५ ...	,, ३ ...	,, १३	,, २.

बरस भर के सब इतवार ॥

जनवरी	१	तारीख	...	...	प्रभु यीसू खुस्त का खतन:
,,	६	,,	...	...	क्रपिफानी अर्थात खुस्त का प्रगट होना अन्य जातियों पर.
,,	२५	,,	...	...	संत पौल के फिरने का दिन.
फेब्रुवरी	२	,,	...	...	प्रभु यीसू मंदिर में उपस्थित किया गया.
,,	२४	,,	...	...	संत मत्तियास.
मार्च	२५	,,	...	...	धन्य कुंवारी मरियम के समाचार पाने का दिन.
					जी उठने के पर्व का सोमार.
					,, ,, मंगलवार.
अप्रील	२५	,,	...	...	संत मरकस मंगलसमाचारक.
मई	१	,,	...	...	संत फिलिप्प और संत याकूब प्रेरित.
					प्रभु यीसू खुस्त का स्वर्गारोहण.
					पवित्रात्मा के उतरने के पर्व का सोमार.
					,, ,, ,, मंगलवार.
जून	११	,,	...	...	संत बरनाबास.

,,	२४	,,	...	...	यूहन्ना बपतिसमा देनेवाले का जन्म दिन.
,,	२९	,,	...	...	संत पथरस प्रेरित.
जुलाई	२५	,,	...	...	संत याकूब प्रेरित.
अगस्त	२४	,,	...	...	संत बरथुलमा प्रेरित.
सेप्तेंबर	२१	,,	...	...	संत मत्थी प्रेरित.
,,	२९	,,	...	...	मिकाएल और सब दूतों का दिन.
अकटोबर	१८	,,	...	...	संत लूका मंगलसमाचारक.
,,	२८	,,	...	...	संत समऊन और याकूब प्रेरित.
नोवेंबर	१	,,	...	...	समस्त संतों का दिन.
,,	३०	,,	...	...	संत आन्द्रियास प्रेरित.
दिसेंबर	२१	,,	...	...	संत थोमस प्रेरित.
,,	२५	,,	...	...	हमारे प्रभु का जन्म दिन.
,,	२६	,,	...	...	संत स्तीफान साखी.
,,	२७	,,	...	...	संत यूहन्ना मंगलसमाचारक.
,,	२८	,,	...	...	पवित्र निरपराधों का दिन.

इतवारों और पर्वों का पत्री बचन और मंगल समाचार बचन॥

आगमन का १ इतवार	रूमी १३, ८—अंत	मत्ती २१, १—१३.
,, २ ,, ...	रूमी १५, ४—१३	लूका २१, २५—३३.
,, ३ ,, ...	१ कोरिन्त ४, १—५	मत्ती ११, २—१०.
,, ४ ,, ...	फिलिप्पी ४, ४—७	यूहन्ना १, १९—२८.
प्रभु का जन्म पर्व	इब्रानी १, १—१२	यूहन्ना १, १—१४.
संत स्तीफान का दिन	प्रेरित ७, ५५—अंत	मत्ती २३, ३४—अंत.
संत यूहन्ना मंगलसमाचारक ...	१ यूहन्ना १, १—१०	यूहन्ना २१, १९—अंत.
पवित्र निरपराधों का दिन ...	प्रकाशित १४, १—५	मत्ती २, १३—१८.
जन्म पर्व के पीछे का इतवार ...	गलाती ४, १—७	मत्ती १, १८—अंत.
खृस्त का खतनः	रूमी ४, ८—१४	लूका २, १५—२१.
अपिफानी	अफेसी ३, १—१२	मत्ती २, १—१२.
अपिफानी के पीछे १ इतवार ...	रूमी १२, १—५	लूका २, ४१—अंत.
,, ,, २ ,, ...	रूमी १२, ६—१६	यूहन्ना २, १—११.

,, ,, ३ ,, ...	रूमी १२, १६—अंत	मत्ती ८, १—१३.
,, ,, ४ ,, ...	रूमी १३, १—७	मत्ती ८, २३—अंत.
,, ,, ५ ,, ...	कलस्सी ३, १२—१७	मत्ती १३, २४—३०.
,, ,, ६ ,, ...	१ यूहन्ना ३, १—८	मत्ती २४, २३—३१.
लेंट के आगे ३ इतवार	१ कोरिन्त ९, २४—अंत ...	मत्ती २०, १—१६.
,, २ ,, ...	२ कोरिन्त ११, १९—३१ ...	लूका ८, ४—१५.
,, १ ,, ...	१ कोरिन्त १३, १—अंत ...	लूका १८, ३१—अंत.
लेंट का पहिला दिन	यूएल २, १२—१७	मत्ती ६, १६—२१.
लेंट का १ इतवार	२ कोरिन्त ६, १—१०	मत्ती ४, १—११.
,, २ ,, ...	१ तसलोनी ४, १—८	मत्ती १५, २१—२८.
,, ३ ,, ...	अफेसी ५, १—१४	लूका ११, १४—२८.
,, ४ ,, ...	गलाती ४, २१—अंत	यूहन्ना ६, १—१४.
,, ५ ,, ...	इब्रानी ९, ११—१५	यूहन्ना ८, ४६—अंत.
ईस्टर से पहिला इतवार	फिलिप्पी २, ५—११	मत्ती २७, १—५४.
,, ,, सोमार ...	यसैयाह ६३, १—अंत	मार्क १४, १—अंत.

इतवारों और पर्वों का पत्री बचन और मंगल समाचार बचन।

ईस्टर से पहिला मंगलवार ...	यसैयाह ५०, ५—अंत.	मार्क १५, १—३९.
,, ,, बुधवार	इबरानी ९, १६—अंत	लूका २२, १—अंत.
,, ,, वृहस्पतिवार ...	१ कोरिन्त ११, २७—अंत ...	लूका २३, १—४९.
प्रभु के मरने का दिन	इबरानी १०, १—२५	यूहन्ना १९, १—३७.
,, ,, सनीचर	१ पथरस ३, १७—अंत	मत्ती २७, ५७—अंत.
ईस्टर अर्थात जी उठने का पर्व ...	कलस्सी ३, १—७	यूहन्ना २०, १—१०.
ईस्टर के पीछे सोमार	प्रेरित १०, ३४—४३	लूका २४, १३—३५.
,, ,, मंगलवार	प्रेरित १३, २६—४१	लूका २४, ३६—४८.
,, ,, १ इतवार ...	यूहन्ना ५, ४—१२	यूहन्ना २०, १९—२३.
,, ,, २ ,, ...	१ पथरस २, १९—अंत	यूहन्ना १०, ११—१६.
,, ,, ३ ,, ...	१ पथरस २, ११—१७	यूहन्ना १६, १६—२२.
,, ,, ४ ,, ...	याकूब १, १७—२१	यूहन्ना १६, ५—१५.
,, ५ ,, ...	याकूब १, २२—अंत	यूहन्ना १६, २३—अंत.

स्वर्गारोहण	प्रेरित १, १—११	मार्क १६, १४—अंत.
स्वर्गारोहण के पीछे का इतवार ...	१ पथरस ४, ७—११	यूहन्ना १५, २६ से १६, १—४.
पवित्रात्मा के उतरने का दिन ...	प्रेरित २, १—११	यूहन्ना १४, १५—अंत.
,, ,, ,, सोमार ...	प्रेरित १०, ३४—अंत	यूहन्ना ३, १६—२१.
,, ,, ,, मंगलवार ...	प्रेरित ८, १४—१७	यूहन्ना १०, १—१०.
तृत्व का इतवार	प्रकाशित ४, १—अंत	यूहन्ना ३, १—१५.
तृत्व के पीछे १ इतवार ...	१ यूहन्ना ४, ७—अंत	लूका १६ १९—अंत.
,, ,, २ ,, ...	१ यूहन्ना ३, १२—अंत	लूका १४, १६—२४.
,, ,, ३ ,, ...	१ पथरस ५, ५—११	लूका १५, १—१०.
,, ,, ४ ,, ...	रूमी ८, १८—२३	लूका ६, ३६—४२.
,, ,, ५ ,, ...	१ पथरस ३, ८—१५	लूका ५, १—११.
,, ,, ६ ,, ...	रूमी ६, ३—११	मत्ती ५, २०—२६.
,, ,, ७ ,, ...	रूमी ६, १९—अंत	मार्क ८, १—९.
,, ,, ८ ,, ...	रूमी ८, १२—१७	मत्ती ७, १५—२१.
,, ,, ९ ,, ...	१ कोरिन्त १०, १—१२	लूका १६, १—९.

इतवारों और पर्वों का पत्री वचन और मंगल समाचार वचन॥

तृत्व के पीछे १० इतवार	१ कोरिन्त १२, १—११	लूका १६, ४१—४७.
,, ,, ११ ,, ...	१ कोरिन्त १५, १—११	लूका १८, ६—१४.
,, ,, १२ ,, ...	२ कोरिन्त ३, ४—६	मार्क ७, ३१—अंत.
,, ,, १३ ,, ...	गलाती ३, १६—२२	लूका १०, २३—३७.
,, ,, १४ ,, ...	गलाती ५, १६—२४	लूका १७, ११—१६.
,, ,, १५ ,, ...	गलाती ६, ११—अंत	मत्ती ६, २४—अंत.
,, ,, १६ ,, ...	अफेसी ३, १३—अंत	लूका ७, ११—१७.
,, ,, १७ ,, ...	अफेसी ४, १—६	लूका १४, १—११.
,, ,, १८ ,, ...	१ कोरिन्त १, ४—८	मत्ती २२, ३४—अंत.
,, ,, १९ ,, ...	अफेसी ४, १७—अंत	मत्ती ९, १—८,
,, ,, २० ,, ...	अफेसी ५, १५—२१	मत्ती २२, १—१४,
,, ,, २१ ,, ...	अफेसी ६, १०—२०	यूहन्ना ४, ४६—अंत,
,, ,, २२ ,, ...	फिलिप्पी १, ३—११	मत्ती १८, २१—अंत,

,, ,, २३ ,, ...	फिलिप्पी ३, १७—अंत	मत्ती २२, १५—२२.
,, ,, २४ ,, ...	कलस्सी १, ३—१२	मत्ती ९, १८—२६.
,, ,, २५ ,, ...	यरमियाह २३, ५—८	यूहन्ना ६, ५—१४.
संत अन्द्रिया	रूमी १०, ९—अंत	मत्ती ४, १८—२२.
संत तूमा	अफेसी २, १९—अंत	युहन्ना २, २४—अंत.
संत पौल	प्रेरित ९, १—२२	मत्ती १९, २७—अंत.
मंदिरमें ख्रीस्त का उपस्थित किया जाना	मलाखी ३, १—६	लूका २, २२—४०.
संत मत्थियास	प्रेरित १, १५—अंत	मत्ती ११, २५—अंत.
धन्य कुंवारी के समाचार पाने का दिन	यसैयाह ७, १०—१५	लूका १, २६—३८.
संत मरकस का दिन	अफेसी ४, ७—१६	युहन्ना १५, १—११.
संत फिलिप्प और याकूब ...	याकूब १, १—१२	युहन्ना १४, १—१४.
संत बरनाबास प्रेरित	प्रेरित ११, २२—अंत	युहन्ना १५, १२—१६.
संत युहन्ना बपतिस्मा देनेवाला ...	यसैयाह ४०, १—११	लूका १, ५७—अंत.
संत पथरस	प्रेरित १२, १—११	मत्ती १६, १३—१९.
संत याकूब प्रेरित	प्रेरित ११, २७ से १२, १—३ ...	मत्ती २०, २०—२८.

इतवारों और पर्वों का पत्री बचन और मंगल समाचार बचन ॥

संत बरयुलमा प्रेरित	प्रेरित ५, १२—१६	लूका २२, २४—३०.
संत मत्ती प्रेरित	२ कोरिन्त ४, १—६	मत्ती ९, ९—१३.
मिकाएल और समस्त दूतों के दिन	प्रकाशित १२, ७—१२ ...	मत्ती १८, १—१०.
संत लूका मंगल समाचारक ...	२ तिमथेय ४, ५—१५	लूका १०, १—७.
संत समऊन और यहूदा प्रेरित ...	यहूदा वाक्य १—८	यूहन्ना १५, १७—अंत.
समस्त संतों का	प्रकाशित ७, २—१२	मत्ती ५, १—२२.

बिहान की प्रार्थना ॥

मंडली के लोग खड़े होवें ॥

दुष्ट जन यदि अपनी दुष्टता से जो उसने किई है फिरे और न्याय और धर्म्म का काम करे तो अपना प्राण जीवता रखेगा ॥

ईश्वर ग्राह्य बलिदान पीड़ित आत्मा है हे ईश्वर पीड़ित खेदित मन को तू तुच्छ न जानेगा ॥

प्रभु हमारे ईश्वर के पास दया और क्षमा बहुत है यद्यपि उस्से हम फिर गये और प्रभु अपने ईश्वर का शब्द हमने नहीं माना कि उस की आज्ञाओं पर चलें जिन्हें उसने हमारे आगे कर दिया है ॥

मैं उठकर अपने पिता के पास जाऊंगा और उस्से कहूंगा कि हे पिता स्वर्ग के बिरुद्ध और तेरे आगे मैं ने पाप किया है और इस योग्य नहीं हूं कि फिर तेरा पुत्र कहलाऊं ॥

५ यदि हम कहें कि हम में पाप नहीं है तो हम अपने को धोखा देते हैं और सचाई हममें नहीं है परन्तु यदि हम अपने पापों को मान लेवें तो वह हमारे पाप क्षमा करने और सारे अधर्म से हमें शुद्ध करने को विश्वस्त और न्यायी है।

हे प्रिय भाइयो हमें चाहिये कि ईश्वर के आगे दीन होकर अपने पापों को मान लेवें जिससे उसकी अपार दया से हम पाप क्षमा प्राप्त करें इस लिये मैं तुम्हारी बिन्ती करता हूं कि शुद्ध मन और दीन शब्द से ईश्वर के आगे मेरे साथ होके मेरे पीछे पीछे यों कहो॥

सब घुटने टेकें॥

हे सर्वशक्तिमान और अत्यन्त दयालु पिता खोई हुई भेड़ों के समान हम तेरे मार्गों से भटके फिरे हैं अपने मनके विचार और इच्छा के अनुसार हम बहुतही चले हैं तेरी पवित्र आज्ञाओं के हम अपराधी हुए जो हमको करना उचित था सो हमने नहीं किया और जो हमें करना उचित न था सो हमने किया और हममें कुछ कुशल नहीं है परन्तु हे प्रभु हम दुःखित अपराधियों पर दया कर हे ईश्वर जो अपने अपराधों को मान लेते हैं उनको तू छोड़ दे जो पश्चात्ताप करते हैं उन्हें तू फिर संभाल उन प्रतिज्ञा-

ओं के अनुसार जो हमारे प्रभु यसू खिस्त के द्वारा तूने मनुष्यों से किई हैं और हे अत्यन्त दयालु पिता उसके कारण से यह वर दे कि आगे को हम धर्म्म सुकर्म्म और संयम से चलें जिससे तेरे पवित्र नाम की महिमा होवे. आमीन॥

पापक्षमा वचन अकेला प्रीष्ट कहे॥

हमारे स्वर्गवासी पिता ने बड़ी दया करके पाप क्षमा की प्रतिज्ञा उन सभों से किई है जो मन से पश्चात्ताप करके सच्चे विश्वास से उसकी ओर फिरते हैं वही सर्वशक्तिमान ईश्वर तुम पर दया करे तुम्हारे सारे पाप क्षमा करे और उनसे छुटकारा देवे सारे धर्म्म पर तुम्हें स्थिर और दृढ़ करे और तुम्हें अनन्त जीवन लों पहुंचावे हमारे प्रभु यसू खिस्त के द्वारा. आमीन॥

हे हमारे पिता जो स्वर्ग में है तेरा नाम पवित्र माना जावे तेरा राज्य आवे तेरी इच्छा पृथिवी पर पूरी होवे जैसे स्वर्ग में होती है हमारी प्रतिदिन की रोटी आज हमें दे और हमारे अपराध हमें क्षमा कर जैसे हमभी अपने अपराधियों को क्षमा करते हैं और हमको परीक्षा में न ला परन्तु दुष्ट से छुड़ा क्योंकि राज्य और पराक्रम और महातम सदा तेराही है. आमीन॥

पः हे प्रभु हमारे होठों को खोल ॥

सः और हमारा मुंह तेरी स्तुति करेगा ॥

पः हे ईश्वर तुरन्त हमको बचा ॥

सः हे प्रभु शीघ्र हमारी सहायता कर ॥

सब खड़े होवें ॥

पः पिता और पुत्र की और पवित्रात्मा की महिमा होवे ॥

सः जैसी आरंभ में हुई अभी होती है और सदा होवेगी. आमीन ॥

पः प्रभु की स्तुति करो ॥

सः प्रभु के नाम की स्तुति हुआ करे ॥

यह पढ़ा वा गाया जावे ॥

१ आओ हम प्रभु को गीत गावें। अपनी मुक्ति के चटान के कारण आनन्द का शब्द करें ॥

२ धन्य मानके उसके सामने आवें। गीत गाके उसके कारण आनन्द का शब्द करें ॥

३ क्योंकि प्रभु महा ईश्वर है। और सारे देवों पर महाराजा है ॥

४ पृथ्वी के गहरे स्थान उसके हाथ में हैं। पहाड़ों के ऊंचे स्थान भी उसके हैं ॥

५ समुद्र उसका है उस ने उसे बनाया। और थल की रचना उसके हाथ से हुई ॥

६ आओ हम दंडवत करें। और अपने सृजनहार प्रभु के संमुख निहुड़कर घुटने टेकें ॥

७ कि वह हमारा ईश्वर है। और हम उसके चरावके लोग और उसके हाथ की भेड़ें हैं ॥

८ यदि तुम आज उसका शब्द सुनो तो अपने मन कठोर न करो। जैसा परीक्षा के दिन विरोध स्थान पर जंगल में किया ॥

९ जिस समय तुम्हारे पितों ने मेरी परीक्षा किई मुझे जांचा और मेरी करणी देखी ॥

१० चालीस बरसलों मैं इस वंशसे उदास रहा और बोला। ये लोग मन के भूले हैं और मेरे मार्ग नहीं पहिचाने ॥

११ इस कारण अपने क्रोध में मैंने किरिया खाई। कि मेरे विश्राम में ये जाने न पावें ॥

पिता और पुत्र की और पवित्रात्मा की महिमा होवे ॥ जैसी आरंभ में हुई अभी होती है। और सदा होवेगी. आमीन ॥

इसके उपरांत दाऊद गीतों का कोई गीत स्थापित क्रमके अनुसार पढ़ा जावे और प्रत्येक गीत के अंत पर यह पढ़ा जावे ॥

पिता और पुत्र की और पवित्रात्मा की महिमा होवे ॥

जैसी आरंभ में थी अभी होती है और सदा होवेगी. आमीन॥

पहिला पाठ॥

पहिले पाठ के पीछे यह पढ़ा वा गाया जावे॥

१ तुझ ईश्वर को हम सराहते हैं। हम तुझे प्रभु मानते हैं॥

२ तुझ सनातन पिता को। सारा भूमंडल मानता है॥

३ तुझे सारे दूत आत्मा। तुझे स्वर्ग और सारी शक्तियां॥

४ तुझे नित्य शब्द से। करोबीन और सराफीन प्रचारते हैं॥

५ पवित्र पवित्र पवित्र। सेनाओं के प्रभु ईश्वर॥

६ तेरी महिमा के प्रताप से। स्वर्ग और पृथिवी परिपूर्ण हैं॥

७ तुझे सराहते हैं। प्रेरितों की प्रतापमय सभा।

८ तुझे सराहते हैं। प्रचारकों का जसवंत समाज।

९ तुझे सराहते हैं। साक्षियों की तेजस्वी सेना॥

१० तुझे सारे भूमंडल में। पवित्र कलीसिया मानती है॥

११ तुझ पिता को। जिस की महिमा अनन्त है॥

१२ तेरे पुत्र को। जो मान्य सत्य और तेरा एकलौटा है॥

१३ और पवित्रात्मा को। जो शांति देनेवाला है।

१४ हे खिस्त। तू प्रताप का राजा है॥

१५ पिता का सनातन पुत्र। तूही है॥

१६ मनुष्य का उद्धार जब तूने अपने ऊपर लिया। कुमारी के गर्भ से तूने घिन न किई॥

१७ मृत्यु के डंक पर जयवंत होकर। तूने स्वर्ग का राज्य सारे बिश्वासियों पर खोल दिया॥

१८ ईश्वर की दहनी ओर। तू पिता के प्रताप में बैठा है॥

१९ हमें निश्चय है। कि हमारा न्याय करने को तू आवेगा॥

२० इस लिये हम तेरी बिन्ती करते हैं कि अपने दासों की सहायता कर। जिन्हें अपना अनमोल लोहू देके तूने बचाया है॥

२१ अनन्त महिमा में तेरे संतों के साथ। ये भी गिने जावें॥

२२ हे प्रभु अपने लोगों की रक्षा कर। और अपने अधिकार को आशीष दे॥

२३ उनका शासन कर। और उन्हें सदा लों उंचाया कर॥

२४ प्रतिदिन। हम तेरा धन्यबाद करते हैं।

२५ और तेरे नाम को। सदा सराहते हैं॥

२६ हे प्रभु कृपा करके। आज पाप से हमारी रक्षा कर।

२७ हे प्रभु हम पर दया कर। हम पर दया कर।
२८ हे प्रभु हम पर तेरी दया होवे। कि हमको तेरा आस्रा है॥
२९ हे प्रभु मुझे तेराही आस्रा है। सदा लों मैं लज्जित न होऊं॥

इसके पीछे दूसरा पाठ नये नियम में से पढ़ा जावे॥

दूसरे पाठ के पीछे यह पढ़ा वा गाया जावे॥

१ हे सब देशों के लोगो प्रभु की जय मनाओ। प्रभु की सेवा आनन्दित होकर करो गाते हुए उस के संमुख आओ॥
२ जानो कि प्रभु वही ईश्वर है। हमें उसने सिरजा न कि हमने आप को हम तो उस की प्रजा हैं और उस के चराव की भेड़॥
३ धन्य मानते हुए उस के फाटकों में जाओ प्रशंसा करते उस के आंगनों में। उस को तुम धन्य मानो और उस का नाम सराहो॥
४ क्योंकि प्रभु भला है उस की दया सनातन है। और उसकी सत्यता पीढ़ी पीढ़ी है॥

पिता और पुत्र की और पवित्र आत्मा की महिमा होवे॥

जैसी आरंभ में हुई अभी होती है और सदा होवेगी. आमीन॥

अथवा यह॥

१ धन्य प्रभु इस्राएल का ईश्वर। कि उसने अपने लोगों पर दृष्टि किई और उनका त्राता हुआ॥
२ और अपने सेवक दाऊद के संतान में। हमारे लिये मुक्ति का सींग उठाया॥
३ जैसे अपने पवित्र प्रचारकों के मुंह से। जो आदि से होते आये बोला॥
४ अर्थात हमारे शत्रुन से। और सारे बैरियों के हाथ से मुक्ति॥
५ हमारे पितों पर जो दया हुई सो पालन करने को। और अपना धार्मिक नियम चेतने को॥
६ उस दान का बचन जिस को किरिया भी। हमारे पिता अबिरहाम से खाई॥
७ कि अपने बैरियों के हाथ से छुटके। हम निडर होकर उस की सेवा करें॥
८ और उसके साम्हने अपने जीवन भर। धर्म्म और न्याय सदा करते रहें॥
९ तू भी-हे बालक-उस उत्तम का प्रचारक कहलावेगा। कि तू उसके आगे चलेगा कि उसके पथ बनावे॥
१० कि तू उस के लोगों को मुक्ति का ज्ञान प्रचारे। उन के पाप मोचन में॥

११ हमारे ईश्वर की उस कोमल करुणा के द्वारा।
जिसमें उदय ऊपर से हम पर प्रकाश मान हुआ॥
१२ उन्हें उजाला देने को जो अन्धकार और मृत्यु
की छाया में बैठे। हमारे पांव को भी चैन
के मार्ग पर सीधा करने को॥

पिता और पुत्र की और पवित्र आत्मा की महिमा होवे॥

जैसी आरंभ में हुई अभी होती है और सदा होवेगी. आमीन॥

तब पादरी और सारी मंडली मिलकर प्रेरितों का विश्वास वाक्य कहें॥

अर्थः—प्रेरितों का विश्वास वाक्य॥

मैं विश्वास करता हूं स्वर्ग और पृथिवी के सृजनहार सर्वशक्तिमान ईश्वर पिता पर और उस के एकलौटे पुत्र हमारे प्रभु यसू खिस्त पर जो पवित्रात्मा से गर्भ में पड़ा मरियम कुंआरी से उत्पन्न हुआ पंतुस पिलातुस के अधिकार में दुःख उठाया क्रूस पर चढ़ाया गया. मरा. और गाड़ा गया और पाताल में उतरा तीसरे दिन मृतकों में से जी उठा. ऊपर स्वर्ग को चला गया और सर्वशक्तिमान ईश्वर पिता के दहिने हाथ बैठा है. वहां से जीवतों और मृतकों का न्याय करने को वह फिर आवेगा॥

मैं विश्वास करता हूं पवित्रात्मा पर पवित्र सार्व कलीसिया पर साधुओं की सत्संगत पर पाप क्षमा देह के पुनरुत्थान और अनन्त जीवन पर. आमीन॥

पः प्रभु तुम्हारे साथ हो॥
सः और तेरे आत्मा के साथ॥
पः हम प्रार्थना करें॥
पः हे प्रभु हम पर दया कर॥
सः हे खिस्त हम पर दया कर॥
पः हे प्रभु हम पर दया कर॥

हे हमारे पिता जो स्वर्ग में है तेरा नाम पवित्र माना जावे तेरा राज्य आवे तेरी इच्छा पृथिवी पर पूरी होवे जैसे स्वर्ग में होती है हमारी प्रति दिन की रोटी आज हमें दे और हमारे अपराध हमें क्षमा कर जैसे हम भी अपने अपराधियों को क्षमा करते हैं और हम को परीक्षा में न ला परन्तु दुष्ट से छुड़ा. आमीन॥

तब प्रीष्ट खड़ा होके कहे॥

पः हे प्रभु अपनी दया हम पर प्रगट कर॥
सः और अपनी मुक्ति हमें दे॥
पः हे प्रभु महाराणी की रक्षा कर॥
सः और जब हम तुझे पुकारें कृपा करके हमारी सुन ले॥

प: अपने सेवकों को धर्म्म का वस्त्र पहिना ॥

स: और अपने लोगों को आनन्दित कर ॥

प: हे प्रभु अपने लोगों की रक्षा कर ॥

स: और अपने अधिकार को आशीष दे ॥

प: हे प्रभु हमारे दिनों में कुशल दे ॥

स: कि हे ईश्वर तुझे छोड़के हमारे लिये कोई लड़ने-वाला नहीं ॥

प: हे ईश्वर हमारे हृदय को शुद्ध कर ॥

स: और अपना पवित्रात्मा हम से न ले ॥

दूसरी प्रार्थना—शांति की ॥

हे ईश्वर शांति का कारण और मिलाप का प्रेमी तूही है तेरे ज्ञान में हमारा अनन्त जीवन है तेरी सेवा जो करना सो सर्वथा निर्बन्ध है हम तो तेरे दीन दास हैं जिस समय हमारे शत्रु हम पर चढ़ाई करें तू हमारी रक्षा कर जिसें तेरी रक्षा का पूरा भरोसा करके हम किसी शत्रु के बल से न डरें हमारे प्रभु यसू खिस्त के पराक्रम से. आमीन ॥

तीसरी प्रार्थना दया की ॥

हे प्रभु हमारे स्वर्गबासी पिता सर्वशक्तिमान सनातन ईश्वर इस दिन के आरंभ लों तूने हम को कुशल से पहुंचाया अपनी बड़ी सामर्थ्य में दिन भर हमारी रक्षा कर और ऐसी कृपा कर कि आज हम किसी

पाप में न फंसें और किसी प्रकार के डर में न पड़ें परन्तु तेरे बल से हमारे सारे काम ऐसे सुधर जावें कि हम सदा वे काम करते रहें जो तेरी दृष्टि में भले हैं हमारे प्रभु यसू खिस्त के द्वारा. आमीन ॥

प्रार्थना महाराणी के लिये ॥

हे प्रभु हमारे स्वर्गबासी पिता महान और शक्तिमान राजाधिराज प्रभुओं के प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं हमारी महा स्वामिनी विकटोरिया राणी पर युबराज और सारे राजकुटुम्ब पर कृपा की दृष्टि कर अपना पवित्र आत्मा उन्हें दान कर अपनी स्वर्गीय दया से उन्हें धनी कर सारे मंगल से उन्हें भाग्यवान कर और उन्हें अपने अनन्त राज्य में पहुंचा हमारे प्रभु यसू खिस्त के द्वारा. आमीन ॥

प्रार्थना पादरियों के लिये ॥

हे सर्वशक्तिमान और सनातन ईश्वर अद्भुत काम का कर्त्ता केवल तूही है हमारे बिशप और सब पादरियों और उन की सारी मंडलियों पर अपनी दया का कुशल दायक आत्मा ऊपर से भेज अपनी आशीष की श्वास उन पर सदा पड़ने दे जिसें वे सचमुच तुझे प्रसन्न रखें हे प्रभु हमारे मध्यस्थ यसू खिस्त के सनमान के लिये यह दे ॥

साधु खिसस्तमकृत प्रार्थना ॥

हे सर्वशक्तिमान ईश्वर तू ने हम पर दया किई है कि हमने इस समय मिलके तुझ से साधारण प्रार्थना करने पाई और तू ने कहा है कि जो दो वा तीन मेरे नाम पर एकट्ठे होवें मैं उन का मांगा बर देऊंगा हे प्रभु अब अपने सेवकों की विन्ती और प्रार्थना ऐसी पूरी कर कि उन का परम लाभ हो इस लोक में अपनी सत्यता का ज्ञान और परलोक में अनन्त जीवन हमें दे. आमीन ॥

हमारे प्रभु यसु खिस्त की दया और ईश्वर का प्रेम और पवित्र आत्मा की सत्संगत हम सब के साथ सदा होवे. आमीन ॥

सांझ की प्रार्थना ॥

मंडली के लोग खड़े होवें॥

१ दुष्ट जन यदि अपनी दुष्टता से जो उस ने किई है फिरे और न्याय और धर्म्म का काम करे तो अपना प्राण जीवता रखेगा ॥

२ ईश्वर याच्ञ बलिदान पीड़ित आत्मा है हे ईश्वर पीड़ित खेदित मन को तू तुच्छ न जानेगा ॥

३ प्रभु हमारे ईश्वर के पास दया और क्षमा बक्शत है यद्यपि उस से हम फिर गये और प्रभु अपने ईश्वर का शब्द हमने नहीं माना कि उस की आज्ञाओं पर चलें जिन्हें उस ने हमारे आगे कर दिया है ॥

४ मैं उठकर अपने पिता के पास जाऊंगा और उस से कहूंगा कि हे पिता स्वर्ग के बिरुद्ध और तेरे आगे मैं ने पाप किया है और इस योग्य नहीं हूं कि फिर तेरा पुत्र कहलाऊं ॥

५ यदि हम कहें कि हम में पाप नहीं है तो हम अपने को धोखा देते हैं और सचाई हम में नहीं

है परन्तु यदि हम अपने पापों को मान लेवें तो वह हमारे पाप क्षमा करने और सारे अधर्म से हमें शुद्ध करने को विश्वस्त और न्यायी है॥

हे प्रिय भाइयो हमें चाहिये कि ईश्वर के आगे दीन होकर अपने पापों को मान लेवें जिस्से उसकी अपार दया से हम पाप क्षमा प्राप्त करें इस लिये मैं तुम्हारी बिन्ती करता हूं कि शुद्ध मन और दीन शब्द से ईश्वर के आगे मेरे साथ होके मेरे पीछे पीछे यों कहो॥

सब घुटने टेकें॥

हे सर्वशक्तिमान और अत्यन्त दयालु पिता खोई हुई भेड़ों के समान हम तेरे मार्गों से भटके फिरे हैं अपने मन के बिचार और इच्छा के अनुसार हम बहुतही चले हैं तेरी पवित्र आज्ञाओं को हम अपराधी हुए जो हमको करना उचित था सो हमने नहीं किया और जो हमें करना उचित न था सो हमने किया और हममें कुछ कुशल नहीं है परन्तु हे प्रभु हम दुःखित अपराधियों पर दया कर हे ईश्वर जो अपने अपराधों को मान लेते हैं उनको तू छोड़ दे जो पश्चात्ताप करते हैं उन्हें तू फिर संभाल उन प्रतिज्ञाओं के अनुसार जो हमारे प्रभु यशु खिस्त के द्वारा तूने मनुष्यों से किई है और हे अत्यन्त दयालु पिता

उसके कारण से यह वर दे कि आगे को हम धर्म्म सुकर्म्म और संयम से चलें जिस्से तेरे पवित्र नाम की महिमा होवे. आमीन॥

पापक्षमा बचन अकेला प्रीष्ट कहे॥

हमारे स्वर्गबासी पिता ने बड़ी दया करके पापक्षमा की प्रतिज्ञा उन सभों से किई है जो मन से पश्चात्ताप करके सच्चे विश्वास से उसकी ओर फिरते हैं वही सर्वशक्तिमान ईश्वर तुम पर दया करे तुम्हारे सारे पापक्षमा करे और उनसे छुटकारा देवे सारे धर्म्म पर तुम्हें स्थिर और दृढ़ करे और तुम्हें अनन्त जीवन को पहुंचावे हमारे प्रभु यशु खिस्त के द्वारा. आमीन॥

हे हमारे पिता जो स्वर्ग में है तेरा नाम पवित्र माना जावे तेरा राज्य आवे तेरी इच्छा पृथिवी पर पूरी होवे जैसे स्वर्ग में होती है हमारी प्रतिदिन की रोटी आज हमें दे और हमारे अपराध हमें क्षमा कर जैसे हम भी अपने अपराधियों को क्षमा करते हैं और हमको परीक्षा में न ला परन्तु दुष्ट से छुड़ा क्योंकि राज्य और पराक्रम और महातम सदा तेरा ही है. आमीन॥

पः हे प्रभु हमारे होठों को खोल॥

सः और हमारा मुंह तेरी स्तुति करेगा॥

प: हे ईश्वर तुरन्त हम को बचा।

स: हे प्रभु शीघ्र हमारी सहायता कर॥

सब खड़े होवें॥

प: पिता और पुत्र की और पवित्रात्मा की महिमा होवे।

स: जैसी आरंभ में ऊई अभी होती है और सदा होवेगी. आमीन॥

प: प्रभु की स्तुति करो॥

स: प्रभु के नाम की स्तुति ऊआ करे॥

ठहराये ऊए गीत पढ़े जावें॥

पहिला पाठ॥

सांझ समय के पहिले पाठ के पीछे यह गाया वा पढ़ा जावे॥

१ मेरा जीव प्रभु की महिमा करता है। और मेरा प्राण मेरे त्राता ईश्वर में आनन्दित ऊआ।

२ कि अपनी दासी की दीनताई पर। उसने दृष्टि किई॥

३ देखो अब से सारी पीढ़ियां। मुझे धन्य कहेंगीं॥

४ कि शक्तिमान ने मेरे लिये बड़े काम किये। और उसका नाम पवित्र है॥

५ और उसकी दया बहुत पीढ़ी लों। उसके डरवैयों पर है॥

६ उसने अपने बांह से बल किया। उसने घमंडियों को उनके मन के विचार में छिन्न भिन्न किया।

७ पराक्रमियों को आसन से गिराया। और दीनों को ऊंचा किया॥

८ भूखों को अच्छी वस्तुओं से तृप्त किया। और धनियों को छूछे दूर कर दिया॥

९ उस ने अपने सेवक इस्राएल को थांभा। जैसा हमारे पिचों से प्रतिज्ञा किई॥

१० उस नित्य दया की सुध लेने को। जो अबिरहाम और उस के वंश पर है॥

पिता और पुत्र की और पवित्रात्मा की महिमा होवे॥

जैसी आरंभ में ऊई अभी होती है और सदा होवेगी. आमीन॥

सांझ समय के दूसरे पाठ के पीछे यह पढ़ा वा गाया जावे॥

१ अब हे प्रभु अपनी बाचा के अनुसार। तू अपने दास को कुशल से बिदा करता है॥

२ क्योंकि मेरी आंखों ने। तेरी मुक्ति को देखा॥

३ जिस को सब लोगों के साम्हने। तू ने सिद्ध कर दिया है॥

४ अन्य जातियों के प्रकाश के लिये ज्योति। और अपने प्रजा इस्राएल का तेज॥

पिता और पुत्र की और पवित्र आत्मा की महिमा होवे॥

जैसी आरंभ में हुई अभी होती है और सदा होवेगी. आमीन॥

तब पादरी और सारी मंडली मिलकर प्रेरितों का विश्वास वाक्य कहें॥

अर्थः—प्रेरितों का विश्वास वाक्य॥

मैं विश्वास करता हूं स्वर्ग और पृथिवी के सृजनहार सर्वशक्तिमान ईश्वर पिता पर और उस के एकलौटे पुत्र हमारे प्रभु यसू खिस्त पर जो पवित्रात्मा से गर्भ में पड़ा मरियम कुंआरी से उत्पन्न हुआ पंतुस पिलातुस के अधिकार में दुःख उठाया क्रूस पर चढ़ाया गया. मरा. और गाडा गया और पाताल में उतरा तीसरे दिन मृतकों में से जी उठा. ऊपर स्वर्ग को चला गया और सर्वशक्तिमान ईश्वर पिता के दहिने हाथ बैठा है. वहां से जीवतों और मृतकों का न्याय करने को वह फिर आवेगा॥

मैं विश्वास करता हूं पवित्रात्मा पर पवित्र सार्व कलीसिया पर साधुओं की सत्संगत पर पापक्षमा देह के पुनरुत्थान और अनन्त जीवन पर. आमीन॥

पः प्रभु तुम्हारे साथ हो॥

सः और तेरे आत्मा के साथ॥

पः हम प्रार्थना करें॥

पः हे प्रभु हम पर दया कर॥

सः हे खिस्त हम पर दया कर॥

पः हे प्रभु हम पर दया कर॥

हे हमारे पिता जो स्वर्ग में है तेरा नाम पवित्र माना जावे तेरा राज्य आवे तेरी इच्छा पृथिवी पर पूरी होवे जैसे स्वर्ग में होती है हमारी प्रति दिन की रोटी आज हमें दे और हमारे अपराध हमें क्षमा कर जैसे हम भी अपने अपराधियों को क्षमा करते हैं और हम को परीक्षा में न ला परन्तु दुष्ट से छुड़ा. आमीन॥

तब प्रीष्ट खड़ा होके कहे॥

पः हे प्रभु अपनी दया हम पर प्रगट कर॥

सः और अपनी मुक्ति हमें दे॥

पः हे प्रभु महाराणी की रक्षा कर॥

सः और जब हम तुझे पुकारें कृपा करके हमारी सुन ले॥

पः अपने सेवकों को धर्म्म का वस्त्र पहिना॥

सः और अपने लोगों को आनन्दित कर॥

पः हे प्रभु अपने लोगों की रक्षा कर॥

सः और अपने अधिकार को आशीष दे॥

पः हे प्रभु हमारे दिनों में कुशल दे॥

सः कि हे ईश्वर तुझे छोड़ हमारे लिये कोई लड़नेवाला नहीं॥

पः हे ईश्वर हमारे हृदय को शुद्ध कर ॥
सः और अपना पवित्रात्मा हम से न ले ॥

दूसरी प्रार्थना ॥

हे ईश्वर सारे पवित्र मनोरथ और सारे शुद्ध बिचार और सारे धार्म्मिक कर्म्म तेरी ओर से उत्पन्न होते हैं अपने दासों को वह शांति दे जिस को संसार की सामर्थ नहीं है कि देवे जिस्से हमारे मन तेरी आज्ञाओं के पालने में लगे रहें और अपने बैरियों के भय से तेरे हाथ की रक्षा पाकर हम बिश्राम और चैन से अपना जीवन काटें हमारे त्राता यसू खिस्त के पुण्य के कारण. आमीन ॥

तीसरी प्रार्थना सारे भय से रक्षा की ॥

हे प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं हमारे अन्धकार को प्रकाश कर दे और अपनी बड़ी दया से इस रात के सारे भय और जोखिम से हमारी रक्षा कर अपने एकलौटे पुत्र हमारे त्राता यसू खिस्त के प्रेम के कारण. आमीन ॥

प्रार्थना महाराणी के लिये ॥

हे प्रभु हमारे स्वर्गबासी पिता महान और शक्तिमान राजाधिराज प्रभुओं के प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं हमारी महा स्वामिनी विकटोरिया राणी

पर युबराज और सारे राजकुटुम्ब पर कृपा की दृष्टि कर अपना पवित्र आत्मा उन्हें दान कर अपनी स्वर्गीय दया से उन्हें धनी कर सारे मंगल से उन्हें भाग्यवान कर और उन्हें अपने अनन्त राज्य में पहुंचा हमारे प्रभु यसू खिस्त के द्वारा. आमीन ॥

प्रार्थना पादरियों के लिये ॥

हे सर्व्वशक्तिमान और सनातन ईश्वर अद्भुत काम का कर्त्ता केवल तू ही है हमारे बिशप और सब पादरियों और उनकी सारी मंडलियों पर अपनी दया का कुशलदायक आत्मा ऊपर से भेज अपनी आशीष की ओस उन पर सदा पड़ने दे जिस्से वे सचमुच तुझे प्रसन्न रखें हे प्रभु हमारे मध्यस्थ यसू खिस्त के सनमान के लिये यह दे ॥

साधु खिसस्तमकृत प्रार्थना ॥

हे सर्व्वशक्तिमान ईश्वर तू ने हम पर दया किई है कि हमने इस समय मिलके तुझ से साधारण प्रार्थना करने पाई और तू ने कहा है कि जो दो वा तीन मेरे नाम पर एकट्ठे होवें मैं उन का मांगा वर देऊंगा हे प्रभु अब अपने सेवकों की बिन्ती और प्रार्थना ऐसी पूरी कर कि उन का परम लाभ हो इस लोक में अपनी सत्यता का ज्ञान और परलोक में अनन्त जीवन हमें दे. आमीन ॥

हमारे प्रभु यसू खिस्त की दया और ईश्वर का प्रेम और पवित्र आत्मा की सत्संगत हम सब के साथ सदा होवे. आमीन॥

प्रार्थना समस्त मनुष्यजाति के लिये॥

हे ईश्वर सारे मनुष्यजाति के सृजनहार और पालनकर्त्ता हम तेरी बिन्ती करते हैं कि नाना प्रकार और पद के और अनेक देश के जो मनुष्य हैं उन सब को तू अपना मार्ग बतलावे और अपना मुक्तिदायक कुशल प्रगट करे बिशेष करके हम बिन्ती करते हैं कि सार्व कलीसिया की भलाई होवे और कि तेरा उत्तम आत्मा उसकी ऐसी अगुवाई करे और उसको ऐसा चलावे कि जितने अपने को खिस्तान कहते और बताते हैं सत्यता के पन्थ में खींचे जावें और आत्मा की एकताई और मेल के बन्धन और चाल की शुद्धता से बिश्वास को धरे रहें अब तुझ पिता की करुणा को हम उन लोगों को सौंप देते हैं जो मन वा तन वा धन के किसी दुःख वा खेद में पड़े हैं [बिशेष करके * * *] कि जैसे उनके दुःख हैं तू वैसे उनको शान्ति देवे और उनकी सहायता करे कि वे अपने कष्ट धीरज करके सहें और अपने सारे दुःख से पार हो जावें यह यसू खिस्त के हेतु से होवे. आमीन॥

साधारण कृतज्ञता बचन॥

हे सर्बशक्तिमान ईश्वर सर्व दयालु पिता हम तेरे निकम्मे दास उस कृपा और प्रेम के कारण जो तूने हमारे और सब मनुष्यों के साथ किया है अति दीनता के साथ मन से तेरा धन्यबाद करते हैं [बिशेष करके * * *] तूने हम को सृजा है पालन किया और इस जीवन की सारी अच्छी बस्तुओं को दिया और बिशेष करके तूने अनमोल प्रेम दिखाया जब हमारा प्रभु यसू खिस्त जगत का त्राता हुआ और तू ने दया के द्वारे ठहराये और अनन्त प्रताप की आशा हम को दिई है इन सब बातों पर हम तेरा धन्यबाद करते हैं और हम तेरी बिन्ती करते हैं कि अपनी सारी दया की हमें ऐसी बूझ देना कि हम मन से तेरा धन्यबाद करें और अपने को तेरी ही सेवा में सोंपके तेरी स्तुति केवल अपने मुंह से नहीं परन्तु अपनी चाल से प्रगट करें और जीवन भर तेरे साम्हने धर्म्म और सुचाल से चलें हमारे प्रभु यसू खिस्त के द्वारा जिसका तेरे और पवित्रात्मा के संग सम्पूर्ण महिमा और संमान सदा होवे. आमीन॥

लितनिया ॥

प: हे ईश्वर पिता जो स्वर्ग में है हम दु:खित पापियों पर दया कर ॥

स: हे ईश्वर पिता जो स्वर्ग में है हम दु:खित पापियों पर दया कर ॥

प: हे ईश्वर पुत्र जगतत्राता हम दु:खित पापियों पर दया कर ॥

स: हे ईश्वर पुत्र जगतत्राता हम दु:खित पापियों पर दया कर ॥

प: हे ईश्वर पवित्रात्मा जो पिता और पुत्र से निकलता है हम दु:खित पापियों पर दया कर ॥

स: हे ईश्वर पवित्रात्मा जो पिता और पुत्र से निकलता है हम दु:खित पापियों पर दया कर ॥

प: हे पवित्र धन्य और प्रतापवान त्रित्व तीन व्यक्ति एक ईश्वर हम दु:खित पापियों पर दया कर ॥

स: हे पवित्र धन्य और प्रतापवान त्रित्व तीन व्यक्ति एक ईश्वर हम दु:खित पापियों पर दया कर ॥

प: हे प्रभु हमारे अपराध और हमारे पित्रों के अपराध तू स्मरण न कर और हमारे पापों का पलटा न ले। हे प्रभु हमें छोड़ देना—अपने लोगों को छोड़ देना जिन्हें अपने बड़ मूल्य लहू से तू ने मोल देके उद्धारा है और हम से सदा क्रोध न करना ॥

स: हे दयालु प्रभु हमें तू छोड़ दे ॥

प: सारी विपत और हानि से—पाप से—शैतान के छल बल से—अपने क्रोध से—और अनन्त दंड से ॥

स: हे दयालु प्रभु हमें बचा ॥

प: मन के सारे अन्धापन से—घमंड—अहंकार—और कपट—ईर्षा—बैर और डाह से—और सारे अप्रीति भाव से ॥

स: हे दयालु प्रभु हमें बचा ॥

प: व्यभिचार और दूसरे सब नाशकारी पापों से—संसार—शरीर—शैतान—तीनों के सारे कपट से ॥

स: हे दयालु प्रभु हमें बचा ॥

प: बिजली और आंधी से—मरी—ओबा और अकाल से—युध और हत्या और अचानक मृत्यु से ॥

स: हे दयालु प्रभु हमें बचा ॥

प: सारे दंगा छिपे गुप्त और बलवा से, सारी झूठी

शिचा पाषंड और फूट से मन की कठोरता से और तेरे बचन और आज्ञाओं के अपमान से।

स: हे दयालु प्रभु हमें बचा॥

प: अपने पवित्र देह धारण के भेद के कारण अपने बपतिस्मा उपवास और परीचा सहने के कारण।

स: हे दयालु प्रभु हमें बचा॥

प: अपने महा कष्ट और लोहू के पसीने के कारण—अपने क्रूस और दुःख के कारण अपने बड़ मूल्य मरण और गाड़तोप के कारण—अपने प्रतापमय पुनरुत्थान और स्वर्गारोहण के कारण और पवित्रात्मा के आने के कारण॥

स: हे दयालु प्रभु हमें बचा॥

प: हमारे दुःख और हमारे सुख के समय मरण काल और न्याय के दिन॥

स: हे दयालु प्रभु हमें बचा॥

प: हे प्रभु ईश्वर हम पापी जन तेरी बिन्ती करते हैं कि तू हमारी सुन ले—और यह कि कृपा करके अपनी सार्व्व कलीसिया को तू धर्म्म के पथ में साधे और सुधारे॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि तू हमारी सुन ले॥

प: कृपा करके अपनी दासी विकटोरिया हमारी

महाराणी को और समस्त राजकुटुम्ब की रचा कर और उन्हें आशीष दे॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले॥

प: कृपा करके सब बिशप,—प्रीष्ट और डीकनों को तू अपने बचन के तथ्य ज्ञान और बुद्धि से यों प्रकाशित कर कि अपनी सिचा और चाल चलन के द्वारा वे उसे प्रसिद्ध और प्रगट करें॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले॥

प: कृपा करके सब हाकिमों को आशीष दे और उन की रचा कर कि तेरी दया से वे न्याय करें और सत्य को स्थापित रखें॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले॥

प: कृपा करके तू अपने सब लोगों को आशीष दे और उन की रचा कर॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले॥

प: कृपा करके सारे देशों में सन्धी और मेल मिलाप दान दे॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले॥

प: कृपा करके हमारा ऐसा मन कर दे कि हम तेरा भय और प्रेम रखें और तेरी आज्ञाओं के अनुसार यत्न करके चलें॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले॥

प: कृपा करके अपने सारे लोगों पर ऐसी दया कर कि तेरा बचन दीनता से सुनके वे निर्मल प्रेम से उसे ग्रहण करें—और आत्मा के फल उत्पन्न करें।

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले॥

प: कृपा करके उन सभों को सच्चे पथ पर ला जो धोखा खाके भूले फिरे हैं॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले॥

प: कृपा करके स्त्रिरों को दृढ़ कर—जो मनके हारे हैं उन को ढाढ़स दे और संभाल जो गिरे हैं उन को तू फिर उठा और अन्त में हमारे पांवों के तले शैतान को दे मार॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले॥

प: कृपा करके उन लोगों का सहाय हो जो जोखिम वा संकेत में हैं—और जो कष्ट में हैं उन को शान्ति दे॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले॥

प: कृपा करके जल थल के सारे यात्रियों की रक्षा कर—सब स्त्रियों की जिन्हें पीड़ें लगी हैं—सब रोगियों की—और नन्हे बच्चों की—और जो बन्दीगृह में वा शत्रु बस में पड़े हैं उन पर तू अपनी करुणा प्रगट कर॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले॥

प: कृपा करके उन सब बालकों की रक्षा कर जिन के पिता मर गये हैं—और बिधवा जन समेत उन सब की जो अनाथ वा सताये जाते हैं और इन सभों को जो कुछ अवश्य है दान दे॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले॥

प: कृपा करके सब मनुष्यों पर दया कर और जो तेरे मंगलसमाचार को नहीं मानते हैं उनके मन फेर।

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले॥

प: कृपा करके हमारे बैरी और शत्रुओं और निन्दकों को क्षमा कर और उन के मन फेर॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले॥

प: कृपा करके भूमि के नाना फल को उपजाकर हमारे लिये ऐसी रखवाली कर कि समय पर हम उन का लाभ उठावें ॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले ।

प: कृपा करके हमें सत्य पश्चात्ताप दान दे हमारे सारे पाप आलस्य और भूल क्षमा कर—और ऐसा कर कि पवित्रात्मा की दया हम पर होवे कि हम अपनी चाल तेरे पवित्र बचन के अनुसार सुधारें ॥

स: हे दयालु प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले ।

प: हे ईश्वर के पुत्र हम बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले ॥

स: हे ईश्वर के पुत्र हम बिन्ती करते हैं कि हमारी तू सुन ले ॥

प: हे ईश्वर के यज्ञलेला—जगत के पाप-हारक ॥

स: हमें अपनी शान्ति दान दे ॥

प: हे ईश्वर के यज्ञलेला—जगत के पाप-हारक ॥

स: हम पर दया कर ॥

प: हे खिस्त हमारी सुन ॥

स: हे खिस्त हमारी सुन ॥

प: हे प्रभु हम पर दया कर ॥

स: हे प्रभु हम पर दया कर ।

प: हे खिस्त हम पर दया कर ।

स: हे खिस्त हम पर दया कर ।

प: हे प्रभु हम पर दया कर ॥

स: हे प्रभु हम पर दया कर ।

हे हमारे पिता जो स्वर्ग में है तेरा नाम पवित्र माना जावे तेरा राज्य आवे तेरी इच्छा पृथिवी पर पूरी होवे जैसे स्वर्ग में होती है हमारी प्रतिदिन की रोटी आज हमें दे और हमारे अपराध हमें क्षमा कर जैसे हम भी अपने अपराधियों को क्षमा करते हैं और हम को परीक्षा में न ला परन्तु दुष्ट से छुड़ा. आमीन ॥

प: हे प्रभु हमारे पापों के अनुसार हम से व्यवहार न कर ॥

स: और न हमारे अधर्म्म का प्रतिफल दे ॥

हम प्रार्थना करें ॥

हे ईश्वर दयालु पिता—खेदित मन की हाय और दुःखितों की अभिलाषा को तू तुच्छ नहीं जानता है—जिस समय हम पर दुःख वा कष्ट का भार पड़े जो जो प्रार्थना हम तेरे आगे करें उन में तू दया से सहाय हो और कृपा करके हमारी सुन—कि शैतान वा मनुष्य छल और चतुराई से हमारी हानि के जितने

यत्न करें सब व्यर्थ निकलें—और तेरे दयायुक्त उपाय से छिन्न भिन्न हो जावें—जिसें हम जो तेरे दास हैं किसी अन्धेर से हानि न उठा कर तेरी कलीसिया में निरन्तर तेरा धन्यवाद करें हमारे प्रभु यसू खिस्त के द्वारा. आमीन ॥

सः हे प्रभु उठ हमारा सहायक हो और अपने नाम के हेतु हमारा त्राण कर ॥

पः हे प्रभु हम ने कानों से सुना और हमारे पित्रों ने हम से बर्णन किया है कि उन के दिनों और उन से पहिले प्राचीन काल में तू ने कैसे अद्भुत काम किये ॥

सः हे प्रभु उठ हमारा सहायक हो और अपने सन्मान के हेतु हमारा त्राण कर ॥

पः पिता और पुत्र की और पवित्रात्मा की महिमा होवे ॥

सः जैसी आरंभ में हुई अभी होती है और सदा होवेगी. आमीन ॥

पः हे खिस्त हमारे बैरियों से हमें बचा ले ॥

सः हमारे कष्टों पर दया की दृष्टि कर ॥

पः हमारे मनके दुःख करुणा करके चेत ले ॥

सः दया करके अपने लोगों के पाप क्षमा कर ॥

पः दया और क्षपा से हमारी प्रार्थना सुन ॥

सः हे दाऊद के पुत्र हम पर दया कर ॥

पः अब और सदा हे खिस्त क्षपा करके हमारी सुन ॥

सः हे खिस्त दया करके हमारी सुन—हे प्रभु खिस्त दया करके हमारी सुन ॥

पः हे प्रभु हम पर तेरी दया प्रगट होवे ॥

सः क्योंकि हम को तेरी आशा है ॥

हम प्रार्थना करें ॥

हे पिता—हम दीनता से तेरी बिन्ती करते हैं कि हमारी दुर्ब्बलता पर तू दया की दृष्टि कर। और जिस तेरे नाम की महिमा होवे सब आपद तू हम से दूर कर जिन के हम न्याय की दृष्टि से अति ही योग्य ठहरे और यह बर दे कि अपने सारे दुःखों में हम तेरी दया का पूरा आश बिश्वास करें—और धर्म्म और नीति से तेरी सेवा निरन्तर करते रहें—हमारे अकेले मध्यस्थ प्रभु यसू खिस्त के द्वारा. आमीन ॥

साधु खिसस्तमकृत प्रार्थना ॥

हे सर्व्वशक्तिमान ईश्वर तू ने हम पर दया किई है कि हमने इस समय मिलके तुझ से साधारण प्रार्थना करने पाई और तू ने कहा है कि जो दो वा तीन मेरे नाम पर एकट्ठे होवें मैं उनका मांगा बर देऊंगा हे प्रभु अब अपने सेवकों की बिन्ती और प्रार्थना ऐसी पूरी कर कि उन का परम लाभ हो इस लोक

में अपनी सत्यता का ज्ञान और परलोक में अनन्त जीवन हमें दे. आमीन॥

हमारे प्रभु यसू खिस्त की दया और ईश्वर का प्रेम और पवित्र आत्मा की सङ्गत हम सब के साथ सदा होवे. आमीन।

बपतिस्मा अर्थात् जलसंस्कार विधि॥

हे अति प्यारो मनुष्य पाप सहित गर्भ में आकर पापी जन्मते भी हैं और शरीर से जो कुछ जन्मा सो शरीर है और शारीरिक जितने हैं वे ईश्वर को रिझाय नहीं सक्ते परन्तु पाप बश हो करके बहुत से अपराध के कर्म्म किया करते हैं फिर हमारे त्राण कर्त्ता खिस्त ने कहा है जो कोई जल और पवित्रात्मा का नवीन जन्म पाकर फिरके उत्पन्न न होवे तो वुह ईश्वर के राज्य में जाने न पावेगा इस कारण मैं तुम्हारी बिन्ती करता हूं कि प्रभु यीसू खिस्त के द्वारा ईश्वर पिता से यह बर मांगो कि वह इन जनों को ऐसा दान देवे जो स्वभाव से उन को नहीं मिल सक्ता कि जलसमेत पवित्रात्मा से भी बपतिस्मा पाकर वे खिस्त की पवित्र कलीसिया में मिलाये जावें और उस के जीवत अंग बन जावें॥

हम प्रार्थना करें॥

मंडली के लोग दंडवत करें॥

हे सर्व्वशक्तिमान अविनाशी ईश्वर तू ही दीनों का सुखदायक और शरणागतों का सहायक तू विश्वा-

सियों का जीवन और मृतकों का पुनरुत्थान है हम इन जनों के लिये तुझे पुकारते हैं कि ये जो तेरा पावन बपतिस्मा लेने को आये हैं आत्मिक नये जन्म के द्वारा पाप क्षमा पावें, हे प्रभु इन्हें ग्रहण कर उस वचन के अनुसार जो तू ने अपने अति प्रिय पुत्र के द्वारा दिया है कि मांगो तो मिलेगा ढूंढ़ो तो पाओगे खटखटाओ तो तुम्हारे लिये खोला जायेगा ऐसे इस समय भी हम मांगनेवालों को मिले हम खोजियों को दे हम खटखटानेहारों के लिये फाटक खोल दे जिसें ये जन तेरे स्वर्गीय स्नान की अनन्त आशीष से सन्तुष्ट होकर उस सनातन राज्य को पहुंचें जिस का तू ने प्रभु यीसू खिस्त के द्वारा से बचन दिया है. आमीन॥

मंडली के लोग उठ खड़े होवें॥

फिर ये मंगलसमाचार बचन सुनाये जावें यूहन्ना ३। ३ पद से ८ पद तक॥

यदि छोटे बालकों का बपतिस्मा होवे तो यह पढ़ा जावे अर्थात मरकस १०। १३—१६ पद तक॥

इस के पीछे प्रीष्ट यों बोले॥

हे अति प्रियो इस मंगलसमाचार बचन में हमारे त्राणकर्त्ता खिस्त का जो खुला बचन है उसे तुम अब

सुन चुके हो इस कारण तुम संदेह मत करो परंतु निश्चय कर जानो कि इन जनों को वह प्रसन्न होकर ग्रहण करेगा कि उन को पाप मोचण सहित पवित्र आत्मा दान देगा और फिर अनन्त जीवन देके अपने अविनाशी राज्य के उन्हें साझी ठहरावेगा अब हमारे स्वर्गबासी पिता का अनुग्रह इन जनों के विषय में उसके पुत्र यीसू खिस्त के कहने से हम पर यों निश्चित हुआ इस कारण आओ बिश्वास और भक्ति से उस की कृपा मान लेवें और कहें॥

हे सर्व्वशक्तिमान सनातन ईश्वर स्वर्गबासी पिता तू ने जो हमें बुलाया है कि तेरे अनुग्रह को पहिचानें और तेरा बिश्वास करें हम तेरी इस कृपा को दीनताई से मान लेते हैं। हमारे हृदय में यह पहिचान बढ़ाकर इसी बिश्वास को भी सदा स्थिर कर, इन जनों को अपना पवित्रात्मा दान दे, कि वे नया जन्म पावें और अनन्त मुक्ति के अधिकारी बनें प्रभु यीसू खिस्त के द्वारा जो तेरे और पवित्रात्मा के संग अब और सनातन लों जीता और राज्य करता है. आमीन॥

यदि बालक का बपतिस्मा होवे तो जो उस को लाये हैं उन से प्रीष्ट यों बोले॥

हे अति प्यारो जो यह बालक यहां लाये हो कि वह पावन बपतिस्मा पावे तुम ने प्रार्थना किई है

कि हमारा प्रभु यीसू खिस्त प्रसन्न होकर उस को ग्रहण करे और आशीष देवे, और फिर पापों से छुड़ाकर अनन्त जीवन और स्वर्ग राज्य उस को दान देवे और तुम ने सुना है कि जिन २ बातों के लिये अब प्रार्थना हुई उन सब के देने की प्रभु यीसू खिस्त ने अपने मंगलसमाचार में प्रतिज्ञा किई है वुह तो इस प्रतिज्ञा को पूर्ण और पालन करेगा इस कारण खिस्त की इस प्रतिज्ञा के पीछे इस बालक को अवश्य है कि तुम्हारे द्वारा से जो उस के लिये बोलते हो (जब तक कि वह सयाना होके इस बात को अपने ऊपर न ले) कि सचाई से प्रतिज्ञा करे कि शैतान को उस के सारे कामों समेत वह त्याग देगा ईश्वर के पवित्र बचन पर निरन्तर बिश्वास करेगा और उस की आज्ञाओं को अधीनताई से पालन करेगा॥

प्रश्न। क्या तू शैतान को इत्यादि॥

जो सियाने जन बपतिस्मा लेने आये हैं उन से प्रीष्ट यों कहे॥

हे अति प्यारो जो पावन बपतिस्मा लेने की इच्छा करके यहां आये हो तुम सुन चुके हो कि इस मंडली से कैसी प्रार्थना किई गई है कि प्रभु यीसू खिस्त प्रसन्न हो कर तुम्हें ग्रहण करे और आशीष देवे। और फिर पापों से छुड़ा कर अनन्त जीवन और

स्वर्ग का राज्य तुम्हें दान देवे। यह भी तुम ने सुना है कि जिन जिन बातों के लिये अब प्रार्थना हुई उन सभों के देने की प्रभु यीसू खिस्त ने अपने मंगल समाचार में प्रतिज्ञा किई है वह तो इस प्रतिज्ञा को पूर्ण और पालन करेगा इस कारण खिस्त ने जो यों प्रतिज्ञा किई है तुम को भी अवश्य है कि अपने इन साक्षियों के और इस सारी मंडली के साम्हने सचाई से प्रतिज्ञा करो कि शैतान को उस के सारे कामों समेत हम त्याग देंगे ईश्वर के पवित्र बचन पर निरन्तर बिश्वास करेंगे और उस की आज्ञाओं को अधीनताई से पालन करेंगे॥

जितने बपतिस्मा लेने आये हैं प्रीष्ट प्रत्येक जन से पृथक पृथक नीचे लिखित प्रश्न करे॥

प्रश्न। क्या तू शैतान को उसके सारे काम समेत और संसार के व्यर्थ धूम धाम को उसकी सब लालची अभिलाषाओं समेत और शरीर की कुकामना को ऐसा त्याग देता है कि तू न उन के अनुसार चलेगा और न उन के बन्धन में रहेगा॥

उत्तर। इन सभों को मैं त्याग देता हूं॥

तब वे बिश्वास वाक्य बोलें॥

मैं बिश्वास करता हूं इत्यादि॥

प्रश्न। क्या तू इन सब बातों पर बिश्वास करता है?

उत्तर। इन सब बातों पर मेरा दृढ़ विश्वास है॥

प्रश्न। क्या इसी विश्वास पर तू बपतिस्मा लेने चाहता है?

उत्तर। मेरी यह इच्छा है॥

प्रश्न। क्या तू ईश्वर की सुइच्छा और आज्ञाओं को पालन करेगा और जीवनभर उन्हीं पर चला करेगा?

उत्तर। ईश्वर जो मेरी सहाय करे तो इसी यत्न में मैं लगा रहूंगा॥

प्रीष्ट बोले॥

हे दयालु ईश्वर यह वर दे, कि इन जनों का जो पुराना आदम है ऐसा गाड़ा जावे कि उन में नवीन आदमी उपजाया जावे. आमीन॥

यह वर दे, कि शारीरिक कामना उन में सबनाश हो जावें और कि सारी आत्मिक बातें उन में जीवें और बढ़ें. आमीन॥

यह वर दे, कि उन को ऐसा पराक्रम और बल मिले जिस्से शैतान संसार और शरीर पर वे प्रबल और जयवन्त होवें. आमीन॥

यह वर दे, कि जो जन हमारे इस काम की सेवकाई से इस समय तुझे सोंपे जाते हैं सो स्वर्गीय सभाव से संवारे जावें और तेरी दया से नित्य फल

प्राप्त करें हे धन्य प्रभु ईश्वर जो सदा लों जीता और सारी वस्तुन पर प्रभुता करता है. आमीन॥

हे सर्व्वसामर्थी सनातन ईश्वर तेरे अति प्रिय पुत्र यीसू खिस्त ने हमारे पाप मोचन के लिये अपने बड़ मूल्य पांजर से जल और लोहू को बहा दिया, फिर अपने शिष्यों को आज्ञा दिई कि सारे जातिगणों को जाकर सिखाओ और पिता पुत्र और पवित्रात्मा के नाम में बपतिस्मा देओ इस मंडली की बिन्ती सुन ले पाप के आत्मिक धो डालने के लिये इस जल को पावन कर और यह वर दे कि जो जन अब इस में बपतिस्मा लेने चाहते हैं सो तेरे अनुग्रह की अधिकाई पावें और तेरे भक्तिमान और चुने हुए लड़कों की गिनती में सदा बने रहें प्रभु यीसू खिस्त के द्वारा. आमीन॥

मुखक मैं तुझ को पिता और पुत्र और पवित्रात्मा के नाम में बपतिस्मा देता हूं. आमीन॥

प्रीष्ट बोले॥

इस जन को हम खिस्त के झुंड की मंडली में मिला लेते हैं और उस पर + क्रूस चिन्ह, इस बात का लक्षण खींचते हैं कि आगे को खिस्त के विश्वास से जो क्रूस पर चढ़ाया गया था वह कभी न लजावे परन्तु

उसी के झंडे तले पाप और संसार और शैतान के विरुद्ध दृढ़ता से लड़े और जीवन भर खिस्त का भक्तिमान योद्धा और सेवक बना रहे. आमीन॥

हे अति प्यारे भाइयो जब कि इन जनों ने नया जन्म पाया और खिस्त की देह की कलीसिया में मिलाये गये हैं तो आओ सर्व्वशक्तिमान ईश्वर की इस बड़ी कृपा को हम मान लेवें और एकचित होकर उस की बिन्ती करें कि ये जन अपना जीवन भर इसी आरंभ के अनुसार काटें॥

मंडली के सब लोग दंडवत करके बोलें॥

हे हमारे पिता जो स्वर्ग में है तेरा नाम पवित्र माना जावे तेरा राज्य आवे तेरी इच्छा पृथिवी पर पूरी होवे जैसे स्वर्ग में होती है हमारी प्रति दिन की रोटी आज हमें दे और हमारे अपराध हमें क्षमा कर जैसे हम भी अपने अपराधियों को क्षमा करते और हम को परीक्षा में न ला परन्तु दुष्ट से छुड़ा. आमीन॥

हे स्वर्गबासी पिता तेरी उस कृपा को हम दीनता से मानते हैं जिस्से तू ने हमें बुलाया है कि तेरा अनुग्रह पहचानें और तुझ पर बिश्वास करें हमारे हृदय में इस पहचान को बढ़ाकर इस बिश्वास को सदा स्थिर कर अपना पवित्रात्मा इन जनों को दे जो

अब प्रभु यीसू खिस्त के द्वारा नया जन्म पाकर अनन्त मुक्ति के अधिकारी बन गये हैं जिस्में वे तेरे सेवक बने रहें और तेरी प्रतिज्ञाओं को पहुंचें उसी प्रभु यीसू खिस्त तेरे पुत्र के द्वारा जो उसी पवित्रात्मा की एकताई में तेरे संग सनातन लों जीता और प्रभुता करता है. आमीन॥

सब उठ खड़े होवें फिर प्रीष्ट साक्षियों को बोले॥

जब कि इन जनों ने तुम्हारे साम्हने बचन दिया है कि शैतान को उसके सारे काम समेत छोड़ देंगे और ईश्वर पर बिश्वास करके उसी की सेवा में लगे रहेंगे तो सुचेत होओ कि तुम्हारा काम और कार्य्य है उन्हें जताया करना कि कैसी भारी बात का नियम और प्रतिज्ञा और स्वीकार इस सारी मंडली के साम्हने उन्हों ने अब किया है और विशेष करके तुम्हारे साम्हने जो उनके साक्षी ठहराये गये हो तुम्हें यह भी चाहिये कि उन्हें उभाड़ा करो कि ईश्वर के बचन की सत्य शिक्षा सीखने में वे बड़ा यत्न करें जिस से अनुग्रह में और प्रभु यीसू खिस्त के ज्ञान में बढ़ते जावें और इस जगत में धर्म्म सुकर्म्म और नेम से चलें॥

फिर जिन का अब बपतिस्मा हुआ उन को बोले ॥

तुम भी जो बपतिस्मा पाकर अब खिस्त को पहिने हो और यीशु खिस्त के बिश्वास के द्वारा ईश्वर के पुत्र और उंजाले के लड़के बने हो सुचेत होओ कि आगे को तुम्हारा यह कर्म्म और धर्म्म है कि जैसा उंजाले के लड़कों को चाहिये खिस्त की बुलाहट के अनुसार चलो यह भी सोचा करो कि बपतिस्मा हमारी उद्यम का एक दृष्टान्त होता है कि अपने प्राणकर्त्ता खिस्त की सी चाल चलें और उसके तुल्य बनें कि जैसा वुह हमारे हेतु मरकर फिर जी उठा वैसे ही हम भी जितनों ने बपतिस्मा पाया पाप के बिषय मर जावें और धर्म्म के लिये फिर जी उठें फिर सारी बुरी बिगड़ी कामना और लालसा को मारा करें सारे धर्म्म और जीवन की शुद्धता में नित्य आगे बढ़ें ॥

यदि बालकों का बपतिस्मा हुआ तो ऊपर लिखित उपदेशों के सन्ती यह पढ़ा जावे ॥

तुम सुचेत रहो कि यह बालक ऐसी भली शिक्षा पावे कि वह धर्म्म से और खिस्तानों के योग्य चाल से जीवन बितावे और कि जब सीखने सकेगा तब वह बिश्वास वाक्य प्रभु की प्रार्थना और दश आज्ञाएं कंठ करे और फिर जब इन बातों को सीखके

उसने और कुछ शिक्षा भी पाई हो तब चाहिये कि वह बिशप के पास आवे कि उसी के हाथ से दृढ़ किया जावे ॥

प्रभुभोज बिधि ॥

हे हमारे पिता जो स्वर्ग में है तेरा नाम पवित्र माना जावे तेरा राज्य आवे तेरी इच्छा पृथिवी पर पूरी होवे जैसे स्वर्ग में होती है हमारी प्रतिदिन की रोटी आज हमें दे और हमारे अपराध हमें क्षमा कर जैसे हम भी अपने अपराधियों को क्षमा करते हैं और हम को परीक्षा में न ला परन्तु दुष्ट से छुड़ा क्योंकि राज्य और पराक्रम और महातम सदा तेराही है. आमीन ॥

प्रार्थना ॥

हे सर्व्वशक्तिमान ईश्वर तेरे आगे सब के हृदय खुले हैं और तू मन की सब बातें जानता है और तुझ से कोई भेद छिपा नहीं है अपना पवित्रात्मा भेज कर हमारे हृदय की सारी चिन्ताएं पवित्र कर कि हम तुझ से पूरा प्रेम रखें और योग्य रीति से तेरा पवित्र नाम सराहें. हमारे प्रभु खिस्त के द्वारा. आमीन ॥

दश आज्ञा ॥

ईश्वर ने ये बातें कहीं कि परमेश्वर तेरा ईश्वर मैं हूं मेरे सन्मुख तेरे लिये दूसरा ईश्वर न होगा ॥

हे प्रभु हम पर दया कर और हमारा ऐसा मन कर दे कि हम इस आज्ञा को पालन करें ॥

तू अपने लिये खोद के किसी की मूर्त्ति और किसी वस्तु का रूप जो ऊपर स्वर्ग पर और जो नीचे पृथिवी पर वा जल में जो पृथिवी के नीचे है मत बना तू उन को प्रणाम मत कर और न उन की सेवा कर क्योंकि मैं परमेश्वर ज्वलित ईश्वर हूं पिचों के अपराध का दंड उन के पुत्रों को जो मेरा बैर रखते हैं उन की तीसरी और चौथी पीढ़ी लों देनेवाला हूं और उन में से सहस्रों पर जो मुझे प्यार करते हैं और मेरी आज्ञाओं की पालन करते हैं दया करता हूं ॥

हे प्रभु हम पर दया कर और हमारा ऐसा मन कर दे कि हम इस आज्ञा को पालन करें ॥

परमेश्वर अपने ईश्वर का नाम अकार्थ मत ले क्योंकि परमेश्वर उसे जो उस का नाम अकार्थ लेता है निष्पाप न ठहरावेगा ॥

हे प्रभु हम पर दया कर और हमारा ऐसा मन कर दे कि हम इस आज्ञा को पालन करें॥

बिश्राम दिन को पवित्र रखने के लिये स्मरण कर छः दिन लों तू परिश्रम कर और अपना सब कार्य्य कर परन्तु सातवां दिन परमेश्वर तेरे ईश्वर का बिश्राम है उस में तू कुछ कार्य्य न करना न तू न तेरा पुत्र न तेरी पुत्री न तेरा दास न तेरी दासी न तेरे पशु न वह बिराना जो तेरे फाटकों के भीतर है क्योंकि परमेश्वर ने छः दिन में स्वर्ग और पृथिवी और समुद्र और सब कुछ जो उन में है बनाया और सातवें दिन बिश्राम किया इस कारण परमेश्वर ने बिश्राम दिन को आशीष दिई और उसे पवित्र ठहराया॥

हे प्रभु हम पर दया कर और हमारा ऐसा मन कर दे कि हम इस आज्ञा को पालन करें॥

अपने पिता और अपनी माता का आदर कर जिस्से तेरी बय उस भूमि पर जिसे परमेश्वर तेरा ईश्वर तुझे देता है अधिक होवे॥

हे प्रभु हम पर दया कर और हमारा ऐसा मन कर दे कि हम इस आज्ञा को पालन करें।

हत्या मत कर॥

हे प्रभु हम पर दया कर और हमारा ऐसा मन कर दे कि हम इस आज्ञा को पालन करें॥

परस्त्रीगमन मत कर॥

हे प्रभु हम पर दया कर और हमारा ऐसा मन कर दे कि हम इस आज्ञा को पालन करें॥

चोरी मत कर॥

हे प्रभु हम पर दया कर और हमारा ऐसा मन कर दे कि हम इस आज्ञा को पालन करें॥

अपने परोसी पर झूठी साक्षी मत दे।

हे प्रभु हम पर दया कर और हमारा ऐसा मन कर दे कि हम इस आज्ञा को पालन करें।

अपने परोसी के घर का लालच मत कर अपने परोसी की स्त्री और उस के दास और उस की दासी और उस के बैल और उस के गदहे और किसी बस्तु का जो तेरे परोसी की है लालच मत कर॥

हे प्रभु हम तेरी बिन्ती करते हैं हम पर दया कर और अपनी इन सब आज्ञाओं को हमारे मन पर लिख॥

तब दिन की बिशेष प्रार्थना पढ़ी जावे और उसके पीछे पत्री बचन फिर सब लोग खड़े होकर मंगलसमाचार बचन सुने. मंगलसमाचार के पीछे नीचे लिखित नैश्रिया का बिश्वास वाक्य पढ़ा वा गाया जावे॥

मैं एक ईश्वर सर्ब्बशक्तिमान पिता पर बिश्वास करता हूं जो स्वर्ग और पृथिवी और सब दृश्य और अदृश्य बस्तुन का सिरजनहार है॥

और एक प्रभु यसू खिस्त ईश्वर के एकही जनित पुत्र पर सब सृष्टियों से पहिले पिता से जनित ईश्वर से ईश्वर ज्योति से ज्योति सत्य ईश्वर से सत्य ईश्वर सृष्ट नहीं परन्तु जनित तत्त्व उस का और पिता का एक है उसके द्वारा सब कुछ सृजा गया हम मनुष्यों के लिये और हमारी मुक्ति के लिये वह स्वर्ग से उतर आया और पवित्रात्मा के द्वारा कुंवारी मरियम के गर्भ में देहधारी हुआ और मनुष्य बना और पंतियुस पिलातुस के अधिकार में हमारे लिये क्रूस पर भी चढ़ाया गया कष्ट उठाया और गाड़ा गया और धर्म्मग्रन्थ के अनुसार तीसरे दिन जी उठा और ऊपर स्वर्ग को गया और पिता के दहिने हाथ बैठा है और वह जीवतों और मृतकों का न्याय करने को महिमा के साथ फिर आवेगा उसके राज का अंत न होगा।

और मैं पवित्रात्मा पर बिश्वास करता हूं जो प्रभु और जीवन दाता है जो पिता और पुत्र से निकलता है। पिता और पुत्र सहित उस की आराधना और महिमा होती है वह भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बोला। और मैं एक सार्ब प्रेरितीय कलीसिया पर बिश्वास करता हूं मैं एक बपतिस्मा पाप क्षमा के लिये मानता हूं और मृतकों के पुनरुत्थान और परलोक के जीवन की बाट जोहता हूं. आमीन॥

इसके पीछे उपदेश दिया जावे और फिर जब भेंट के पैसे बटोरे जाते हैं नीचे लिखित बचनों में कई एक सुनाई जावें।

तुम्हारा उंजियाला मनुष्यों के साम्हने ऐसा चमके कि वे तुम्हारे अच्छे कामों को देखें और तुम्हारे स्वर्गबासी पिता की स्तुति करें. मत्ती ५ पर्ब्ब॥

अपने लिये पृथिवी पर धन मत बटोरो जहां कीड़ा और मुर्चा बिगाड़ता है और जहां चोर सेंध देकर चुराते हैं बरण अपने लिये स्वर्ग में धन बटोरो जहां न कीड़ा न मुर्चा बिगाड़ता और न चोर सेंध देकर चुराते हैं. मत्ती ६ पर्ब्ब॥

यदि हम ने तुम्हारे लिये आत्मिक बस्तु बोई हैं तो हम जो तुम्हारी शारीरिक बस्तुओं को काटें क्या यह बड़ी बात है। १ करिन्थियों ९ पर्ब्ब॥

क्या तुम नहीं जानते कि जो मंदिर की सेवकाई करते हैं सो मंदिर में से खाते हैं और जो बेदी के काम में लगे रहते हैं सो बेदी में से भाग लेते हैं ऐसा ही प्रभु ने भी ठहराया है कि जो मंगलसमाचार के सुनानेवाले हैं मंगलसमाचार से उपजीवन पावें। १ करिन्थियों ९ पर्ब्ब॥

जो थोड़ा बोता है थोड़ा काटेगा और जो बहुत बोता है बहुत काटेगा हर एक जिस प्रकार अपने मन में ठहराता है वैसा देवे परन्तु न तो अप्रसन्नता

से न बरबस से क्योंकि ईश्वर उसी को प्यार करता है जो प्रसन्नता से देता है। २ करिन्तियों ९ पर्ब्ब॥

जो बचन की शिचा पाता है सो समस्त अच्छी बस्तुओं में सिखानेहारे की सहायता करे। धोखा मत खाओ ईश्वर से ठट्ठा नहीं किया जाता है क्योंकि मनुष्य जो कुछ बोता है सो ही काटेगा। गलातियों ६ पर्ब्ब॥

भलाई और दान करना मत भूलो कि ऐसे बलिदानों से ईश्वर प्रसन्न होता है. इब्रानी १३॥

जिस किसी के पास जगत की संपत है और वह अपने भाई को दरिद्री देखता और अपने को दया करने से रोक रखता है तो ईश्वर का प्रेम उस में क्योंकर बसता है. १ यूहन्ना ३ पर्ब्ब॥

अपने धन में से दान कर और अपना मुंह किसी कंगाल की ओर से न मोड़ तब प्रभु भी तेरी ओर से मुंह न मोड़ेगा. तोबित ४ पर्ब्ब॥

शक्तिभर दया कर यदि तेरे पास बहुत होा तो बहुतायत से दे यदि तेरे पास थोड़ा होा तो यत्न करके प्रसन्नता के साथ उस थोड़े में से दे कि इस प्रकार तू आवश्यकता के दिन के लिये भला प्रतिफल बटोर रखेगा. तोबित ४ पर्ब्ब॥

वह जो कंगालों पर दया करता सो प्रभु को उधार

देता है और देख जो कुछ वह देता है उसे फिर दिया जायगा. सुलेमान के दृष्टान्त १९ पर्ब्ब॥

इसके पीछे जब प्रभुभोज होता है प्रीष्ट उतनी रोटी और दाखरस मेजपर रखे जितनी आवश्यक समझे और फिर यह कहे॥

हम खृस्त की सारी कलीसिया के लिये प्रार्थना करें जो पृथिवी पर युद्ध करती है॥

हे सर्ब्बशक्तिमान और सदा सजीवन ईश्वर अपने पवित्र प्रेरित के द्वारा तू ने हमें सिखाया है कि प्रार्थना बिन्ती और धन्यवाद सब मनुष्यों के लिये किया करें हम दीनताई से तेरी बिन्ती करते हैं कि अपनी बड़ी दया से हमारे दान और भेंट अंगीकार कर और हमारी ये प्रार्थनाएं सुन जो हम तेरे सिंहासन के आगे करते हैं कि तू सार्ब कलीसिया को सत्यता एकताई और मिलाप का आत्मा नित दिया कर और यह बर दे कि जो तेरा पवित्र नाम लेते हैं वे सब तेरे पवित्र बचन की सत्यता के बिषय एकही बिचार रखें और मिलाप और धर्मयुक्त प्रेम के साथ अपना जीवन बितावें और हम तेरी बिन्ती करते हैं कि तू सब खृस्तान महाराजाओं और राजाओं को सम्हालके बचा बिशेष करके अपनी दासी हमारी महाराणी बिकटोरिया को और

हमारे सब हाकिमों को, हे स्वर्गवासी पिता सब बिशप और पादरियों पर अनुग्रह कर कि वे अपनी चाल और शिक्षा से तेरा सच्चा और जीवता बचन प्रचारें और तेरे पवित्र सक्रिमिएटों का यथा बिधि और उचित रीति से कार्य्य करें और अपने सब लोगों पर अपना स्वर्गीय अनुग्रह कर बिशेष करके इस मंडली पर जो यहां उपस्थित है कि वे अधीन मन से और उचित सन्मान से तेरा पवित्र बचन सुन कर उसे ग्रहण करें और पवित्रता और धर्म से तेरी सेवा जन्मभर मन से करें और हे प्रभु हम अति ही दीन होकर तेरी बिन्ती करते हैं कि अपनी दया से उन सब को शांति दे और उन की सहायता कर जो इस थोड़े दिन के जीवन में दुःखित उदास कंगाल और रोगी हैं वा किसी दूसरे बिपत्त में पड़े हैं और हम तेरे पवित्र नाम का उन सब तेरे दासों के कारण धन्यबाद करते हैं जो तेरे बिश्वास और डर में इस जगत से चले गये हैं और हम तेरी बिन्ती करते हैं हम पर अनुग्रह कर कि हम उनके सुकर्मों के दृष्टान्त के अनुसार ऐसे चलें कि उनके साथ हम भी तेरे स्वर्गराज्य में भाग पावें हे पिता यीशु खृस्त के हेतु जो हमारा अकेला मध्यस्थ और पक्षवादी है यह दे. आमीन॥

जब प्रभुभोज होनेवाला है उसका समाचार पहिले इसी रीति से सुनाया जावे॥

हे प्यारो मेरी इच्छा है कि आनेवाले——— वार को जो ईश्वर सहायता करे खृस्त की देह और लोहू का अत्यंत शांतिदायक साक्रिमिएट उन सब को देऊं जो उसे धर्म और भक्ति पर अपना मन लगावें यह उन के लिये जो उसे योग्य रीति से लेते हैं ऐसा ईश्वरीय और शांतिदायक पदार्थ है और उनके लिये जो ढिठाई से अयोग्य रीति से लेते हैं ऐसा हानिकारक है कि तुम को समझाना मुझे आवश्यक है कि इस बीच में इस पवित्र भेद के महात्म्य पर ध्यान करो और अपने मन को जांचो कि तुम शुद्ध और निर्मल होकर इस स्वर्गीय-भोज में आ सको॥

उस का उपाय यह है, पहिले अपना चाल चलन ईश्वर की आज्ञाओं से मिलाके जांचो और जिस२ बात में मन वा बचन वा कर्म्म में तुम अपने को अपराधी पाओ अपने उस अपराध के लिये उदास होओ और अपने चाल चलन सुधारने की पूरी इच्छा करके सर्व्वशक्तिमान ईश्वर के साम्हने अपने अपराधों को मान लेओ॥ यदि तुम जानो कि हमने केवल ईश्वर के नहीं परन्तु अपने पड़ोसियों के भी अपराध किये हैं तो उन से मेल करो और यदि किसी की हानि तुम से हुई है तो बदला देने पर

सिद्ध रहो और दूसरे के अपराध क्षमा करने को भी ऐसे सिद्ध रहो जैसा तुम चाहते हो कि ईश्वर तुम्हारे अपराध क्षमा करे॥ नहीं तो इस पवित्र सत्संगति में भागी होने से तुम को कुछ लाभ नहीं परन्तु तुम्हारा पाप बढ़ जायगा, यदि कोई अपने मन की शंका दूर न कर सके परन्तु कुछ और शान्ति और परामर्श चाहे तो चाहिये कि वह मेरे वा किसी दूसरे पादरी के पास आ कर अपने उदासी की बात प्रगट करे कि ईश्वर के पवित्र वचन की सेवकाई से वह पापमोचण और आत्मिक परामर्श प्राप्त करे॥

प्रभुभोज के समय प्रीष्ट यों कहे॥

हे प्यारो तुम हमारे मुक्तिदाता खुस्त की देह और लोहू की सत्संगति में आने चाहते हो तो तुम्हें सोचना चाहिये कि संत पौलुस सब मनुष्यों को उपदेश करता है कि वे आप को यत्न से परखें और जांचें उससे पहिले कि वे उस रोटी को खावें और उस कटोरे से पीवें॥ क्योंकि बड़ा लाभ होता है यदि मन से सच्चा पश्चाताप करके जीवते विश्वास से हम इस पावन साक्रिमिण्ट को लेवें कि योंही हम आत्मिक रीति से खुस्त का मांस खाते और उस का लोहू पीते हैं हम खुस्त में बसे हैं और खुस्त हममें परन्तु बड़ा डर है यदि हम अनुचित रीति से इस को

लेवें क्योंकि ऐसा करने से हम अपने मुक्तिदाता खुस्त की देह और लोहू के अपराधी होते हैं प्रभु की देह को न पहिचानके हम अपना न्याय खाते पीते हैं और इस कारण ईश्वर का क्रोध हमारे ऊपर भड़कता है यहां तक कि वह नाना प्रकार के रोग भेज कर हम को दुःख देता और भांति २ की मृत्यु में फंसाता है॥ सो हे भाइयो अपना लेखा आप लेओ जिसें प्रभु तुम्हारा लेखा न लेवे॥ अपने पिछले पापों से सच्चा पश्चाताप करो हमारे मुक्तिदाता खुस्त पर जीवता और दृढ़ विश्वास करो अपना चाल चलन सुधारो और सब मनुष्यों से पूरा प्रेम रखो तब तो तुम इन पवित्र भेदों के योग्य भागी होओगे॥ और विशेष करके ईश्वर पिता पुत्र और पवित्रात्मा को दीन मन से धन्यवाद करना चाहिये इस कारण कि हमारे मुक्तिदाता खुस्त के मरण और दुःख के द्वारा से जगत का उद्धार हुआ है॥ खुस्त तो ईश्वर और मनुष्य भी है और हम दुःखित पापियों के लिये जो अंधियारे और मृत्यु की छाया में पड़े थे उस ने अति ही दीन होके क्रूस की मृत्यु को सहा जिसें उसके द्वारा से हम ईश्वर के पुत्र हो जावें और अनन्त जीवन के पद लों पहुंचें॥ अब प्रभु यीसू खिस्त ने अपने प्रेम के बंधक और अपनी मृत्यु की नित्य चितावनी के लिये पवित्र

भेदों को इस रीति से ठहरा दिया है कि हम अपने स्वामी और मुक्तिदाता के अपरंपार प्रेम को नित स्मरण करें कि वह हमारे लिये यों मरा और उन अनगणित लाभों को भी चेत करें जिन को अपना बहुमूल्य लोहू बहाकर उसने हमारे लिये कमाया है इन भेदों को उस ने हमारी बड़ी और सदा की शांति के लिये ठहराया है इस कारण हम पिता और पवित्रात्मा सहित उस की कृपा मान लेवें और उस की पवित्र इच्छा के सर्बथा आधीन होके सुकर्म और धर्म्म से जीवन भर उस की सेवा करते रहें॥

फिर यों कहे॥

तुम जो अपने पापों से सचमुच मन से पछताते और जो अपने पड़ोसियों से प्रेम प्रीति रखते हो और जो नई चाल से ईश्वर की आज्ञाओं के अनुसार उस के पवित्र मार्ग पर अब से चलने चाहते हो बिश्वास के साथ पास आओ और अपनी शांति के लिये यह पावन साक्रिमिण्ट लेओ और दंडवत करके अपने पापों को सर्बशक्तिमान ईश्वर के आगे मान लेओ॥

मंडली दंडवत करके प्रीष्ट के पीछे २ यों बोलें॥

हे सर्बशक्तिमान ईश्वर हमारे प्रभु यीसू खृस्त के

पिता सब बस्तुओं के सृजनहार और सारे मनुष्यों के न्यायक हम बिलाप करके अपने अनगणित पाप और अपराध मान लेते हैं जो हम ने मनसा बचन और कर्म्म से तेरे दैव्य प्रताप के बिरुद्ध बहुत ही किये हैं और उन से तेरे यथार्थ क्रोध और जलन को अपने बिरुद्ध भड़काया है हम मन से पछताते हैं और अपने इन बुरे कामों के कारण हृदय से उदास होते हैं उन का स्मरण करके हम दुःखित होते हैं उन का बोझ हम उठा नहीं सक्ते हैं हम पर दया कर हे परम दयालु पिता हम पर दया कर जो कुछ हम से हुआ है तू अपने पुत्र हमारे प्रभु यीसू खृस्त के हेतु क्षमा कर और यह बर दे कि अब से हम नई चाल चलके सदा तेरी सेवा करें और तुझे प्रसन्न रखें जिस्से तेरे नाम की प्रतिष्ठा और महिमा होवे हमारे प्रभु यीसू खृस्त के द्वारा से. आमीन॥

पापक्षमा बचन अकेला प्रीष्ट कहे॥

हमारे स्वर्गबासी पिता ने बड़ी दया करके पाप क्षमा की प्रतिज्ञा उन सभों से किई है जो मन से पश्चात्ताप करके सच्चे बिश्वास से उस की ओर फिरते हैं वही सर्बशक्तिमान ईश्वर तुम पर दया करे तुम्हारे सारे पाप क्षमा करे और उन से छुटकारा देवे सारे धर्म्म पर तुम्हें स्थिर और दृढ़ करे और तुम्हें अनन्त

जीवन लों पहुंचावे हमारे प्रभु यीसू खृस्त के द्वारा. आमीन ॥

तब प्रीष्ट कहे ॥

सुनो कि हमारा मुक्तिदाता कैसी शांति दायक बातें उन सब से कहता है जो उस की ओर सचाई से फिरते हैं ॥ हे लोगो जो थके और बोझ से दबे हो तुम सब इधर मेरे पास आओ मैं तुम्हें बिश्राम देऊंगा. मत्ती ११, २८ पद ॥

ऐसी प्रीति ईश्वर ने जगत से किई कि उस ने अपना एक ही जनित पुत्र दिया जिस्से जो कोई उस पर बिश्वास करे नष्ट न होवे परन्तु अनन्त जीवन पावे. यूहन्ना ३, १६ पद ॥

सुनो कि संत पौल भी क्या कहता है ॥

यह बात सत्य और सब लोगों के स्वीकार के योग्य है खृस्त यीसू पापियों के बचाने के लिये जगत में आया. १ तिमदेऊस १, १५ पद ॥

सुनो कि संत यूहन्ना भी क्या कहता है ॥

यदि कोई पाप करे तो पिता के पास हमारा एक पक्षवादी है अर्थात यीसू खृस्त जो धार्मिक है और वही हमारे पापों का प्रायश्चित है १ प. २ । १ ॥

फिर कहे ॥

तुम अपने मन उठाओ ॥

उत्तर। हम उन को प्रभु की ओर उठाते हैं ॥

प्रीष्ट। हम अपने प्रभु ईश्वर का धन्यबाद करें ॥

उत्तर। ऐसा करना योग्य और उचित है ॥

तब प्रीष्ट प्रभु की मेज की ओर फिरके यह कहे ॥

यह बहुत ही योग्य और उचित और हमारा धर्म्म है कि सब काल और सब स्थानों में तेरा धन्यबाद किया करें ॥ हे प्रभु पवित्र पिता सर्वशक्तिमान ईश्वर ॥ इस लिये दूतों और प्रधान दूतों और स्वर्ग की सारी मंडली के साथ हम तेरे उत्तम नाम की प्रशंसा और बड़ाई करते और सदा तेरी स्तुति करके कहते हैं पवित्र पवित्र पवित्र सेनाओं के प्रभु ईश्वर स्वर्ग और पृथिवी तेरी महिमा से परिपूर्ण हैं हे महा प्रभु तेरी ही महिमा हो. आमीन ॥

तब प्रीष्ट प्रभु की मेज के पास घुटने टेककर उन के नाम में जो सतसंगत के भागी होंगे यों प्रार्थना करे ॥

हे दयालु प्रभु हम जो तेरी इस मेज पास आते हैं सो ढिठाई से अपने धर्म पर नहीं परन्तु तेरी बड़ी और अनगणित दया पर भरोसा करके आते हैं हम इस योग्य भी नहीं हैं कि तेरी मेज के नीचे टुकड़ों को चुनें पर तू वही प्रभु है जिस का

स्वभाव सदा दयालु है इस कारण हे दयावन्त प्रभु हमें यह वर दे कि हम तेरे प्रिय पुत्र यीशु खृस्त का मांस और लोहू उस रीति से खावें और पीवें कि हमारी पापी देह उस की देह से शुद्ध हो जावे और हमारे आत्मा उस के बहुमूल्य लोहू से धोए जावें और कि हम उस में सदा रहें और वह हम में. आमीन॥

तब प्रीष्ट मेज के साम्हने खड़ा होकर संस्कार की प्रार्थना बोले॥

हे सर्वशक्तिमान ईश्वर हमारे स्वर्गवासी पिता अपनी कोमल दया से तू ने अपने एकलौटे पुत्र यीशु खृस्त को दिया कि वह हमारे उद्धार के लिये क्रूस पर मारा जावे वहां उस ने अपने को एक ही बेर बलिदान चढ़ाया और सारे जगत के पापों के लिये एक पूरा और गुणमय बलिदान और बदला हुआ॥ अपने पवित्र मंगलसमाचार में उस ने अपनी बहुमूल्य मृत्यु का एक नित्य स्मरण ठहराया और हम को आज्ञा दिई है कि उस के फिर आने लों योंहीं स्मरण किया करें॥ हे परम दयालु पिता हम अति दीन होके तेरी बिन्ती करते हैं हमारी सुन और यह कृपा कर कि हम तेरे पुत्र अपने प्रभु यीशु खृस्त की आज्ञा के अनुसार उस की मृत्यु और दुःख-भोग के स्मरण में यह रोटी और दाखरस जो तू ने बनाया

है लेकर प्रभु की धन्य देह और लोहू के भागी होवें। जिस रात कि वह पकड़वाया गया उस ने रोटी लिई और धन्यबाद करके तोड़ी और अपने शिष्यों को यह कहके दिई कि लेओ खाओ यह मेरी देह है जो तुम्हारे लिये दिई जाती है मेरे स्मरण के लिये यही किया करो॥ योंहीं खाने के पीछे उस ने कटोरे को लिया और धन्यबाद करके उन को यह कहके दिया कि तुम सब इस से पिओ क्योंकि यह नये नियम का मेरा लोहू है जो पापमोचण के हेतु तुम्हारे और बहुतों के लिये बहाया जाता है जिस समय इसे पिओ मेरे स्मरण के लिये यही किया करो. आमीन॥

रोटी देते समय पादरी यों बोले॥

हमारे प्रभु यीशु खृस्त की देह जो तेरे लिये दिई गई तेरी देह और आत्मा को अनन्त जीवन के लिये रक्षा करे इसे ले और खा इस बात के स्मरण में कि खृस्त तेरे लिये मरा और धन्यबाद करके बिश्वास के द्वारा उसे अपने मन में खाया कर॥

दाखरस देते समय पादरी यों बोले॥

हमारे प्रभु यीशु खृस्त का लोहू जो तेरे लिये बहाया गया तेरी देह और आत्मा को अनन्त जीवन के लिये रक्षा करे इसे पी इस बात के स्मरण में कि

खृस्त का लोहू तेरे लिये बहाया गया और धन्यबाद कर ॥

फिर सब बोलें ॥

हे हमारे पिता इत्यादि ॥

प्रार्थना ॥

हे सर्बशक्तिमान और सनातन ईश्वर हम तेरी कृपा को मन से मान लेते हैं कि तू दया करके अपने पुत्र हमारे मुक्तिदाता यीसू खृस्त के बहुमूल्य देह और लोहू का आत्मिक भोजन हमें खिलाता है जो इन पवित्र भेदों में यथा बिधि भागी हुए हैं॥ और कि योंहीं तू अपने अनुग्रह और कृपा प्रत्यक्ष रीति से दिखाता है कि हम सचमुच तेरे पुत्र की आत्मिक देह के जो सारे बिश्वासियों की धन्य मंडली है मिले हुए अंग हैं और तेरे प्रिय पुत्र की बहुमूल्य मृत्यु और दुःख भोग के द्वारा आशा से तेरे अनन्त राज्य के अधिकारी भी हुए हैं और हे स्वर्गबासी पिता हम दीनता से तेरी बिन्ती करते हैं कि तू अपने अनुग्रह से हमारी ऐसी सहायता कर कि हम इस सत्संगत में सदा बने रहें और उस अच्छे कामों को किया करें जो तू ने हमारे लिये आगे से ठहराया है हमारे प्रभु यीसू खृस्त के द्वारा से जिस

को तेरे और पवित्रात्मा के साथ सारी प्रतिष्ठा और महिमा सदा होवे. आमीन ॥

तब यह पढ़ा वा गाया जावे ॥

स्वर्ग पर ईश्वर की महिमा हो पृथिवी पर कुशल और मनुष्यों पर प्रसन्नता हम तुझे सराहते हैं तेरा धन्यबाद करते हैं तेरी आराधना करते तेरी स्तुति करते हैं तेरी बड़ी महिमा के कारण हम तेरी कृपा को मान लेते हैं हे प्रभु ईश्वर स्वर्गबासी राजा ईश्वर पिता सर्बशक्तिमान ॥ हे प्रभु एक ही जनित पुत्र यीसू खृस्त, हे प्रभु ईश्वर ईश्वर के यज्ञ लेला पिता के पुत्र, जगत के पाप-हारक हम पर दया कर हे जगत के पाप-हारक हम पर दया कर हे जगत के पाप-हारक हमारी प्रार्थना अंगीकार कर तू जो ईश्वर पिता के दहिने हाथ बैठा है हम पर दया कर क्योंकि केवल तू ही पवित्र है केवल तू ही प्रभु है केवल तू हे खृस्त पवित्र आत्मा के साथ ईश्वर पिता की महिमा में महान है. आमीन ॥

आशीर्बाद ॥

ईश्वर की शांति जो सारी बूझके परे है तुम्हारे हृदय और मन को ईश्वर की और उस के पुत्र

हमारे प्रभु यीशु खृस्त की पहिचान और प्रेम में स्थिर रखे और सर्वशक्तिमान ईश्वर पिता पुत्र और पवित्रात्मा की आशीष तुम पर अब होवे और सदा रहे. आमीन॥

प्रार्थना॥

हे प्रभु अपनी बड़ी दया से हमारे सब कामों में हमारी अगुवाई कर और अपनी नित्य सहायता से हमें संभाल कि हम अपने सब काम तुझ में आरंभ करें तुझ में करते रहें और तुझी में समाप्त करें कि उन से तेरे पवित्र नाम की महिमा होवे और कि निदान हम तेरी दया से अनन्त जीवन पावें हमारे प्रभु यीशु खृस्त के द्वारा. आमीन॥

हे सर्वशक्तिमान ईश्वर हम तेरी बिन्ती करते हैं यह कृपा कर कि जो बातें हम ने आज अपने शारीरिक कानों से सुनी हैं तेरे अनुग्रह से हमारे हृदय में यों जड़ पकड़ें कि वे तेरे नाम की प्रतिष्ठा और प्रशंसा के लिये सुचाल का फल हम में लावें हमारे प्रभु यीशु खृस्त के द्वारा. आमीन॥

हे प्रभु हमारी बिन्ती और प्रार्थना दया करके सुन और अपने दासों को ऐसे मार्ग पर चला कि वे अनन्त जीवन को पहुंचें और इस मृत्यु-लोक में जहां सब कुछ बदलता जाता है तू दया करके

नित्य उन की सहायता और रक्षा किया कर हमारे प्रभु यीशु खृस्त के द्वारा से. आमीन॥

हे परमेश्वर तू ने सब जाति के लोगों को एक ही लोहू से बनाके पृथिवी पर बसाया और अपने धन्य पुत्र को इस लिये भेजा कि वह उन्हें जो दूर हैं और उन्हें जो निकट हैं कुशल की वार्त्ता सुनावे दया करके ऐसा कर कि इस देश के सब लोग तेरा खोज करें और तुझे पावें। और हे स्वर्गबासी पिता जो तू ने प्रतिज्ञा किई है कि मैं अपना पवित्र आत्मा सब मनुष्यों पर उंडेलूंगा उस को शीघ्र पूरा कर। हमारे मुक्तिदाता यीशु खृस्त के द्वारा. आमीन॥